RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 293 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 11 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

देश में अनाज का उत्पादन बढ़ा : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों को दी 35,440 करोड़ रुपये की सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देश के किसानों

को बड़ी सौगात दी है। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र के लिए करीब 35,440 करोड़ रुपये की दो अहम योजनाओं की शुरुआत की। इसमें करीब 24 हजार करोड़ रुपये की 'धन धान्य कृषि योजना' की भी शुरुआत की गई। पीएम मोदी ने नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में विशेष कृषि योजना में शिरकत की। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने लोकनायक जयप्रकाश की जयंती के अवसर पर जेपी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहाकि भारत एक कृषि प्रधान देश है। हमें भारत की कृषि व्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि आज देश का हर जिला तरक्की कर रहा है। कृषि क्षेत्र का बजट 6 गुना बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि 2014 से कृषि क्षेत्र में कई बदलाव किए गए हैं। देश में अनाज का उत्पादन बढ़ा है। दूध, फल और सब्जी का उत्पादन भी बढ़ा है। उन्होंने पूर्व की सरकारों पर आरोप लगाया कि पूर्व की सरकारों ने कृषि सुधार में कोई कार्य नहीं किया।

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत सरकार देश के 100 जिलों में कृषि उत्पादन को बढ़ाने, किसानों को कर्ज देने, सिंचाई और (शेष पृष्ठ-4 पर)

प्राधिकरण चेयरमैन दीपक कुमार ने की समीक्षा बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (एसीएस), औद्योगिक विकास आयुक्त (आईडीसी) तथा नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन दीपक कुमार श्रीवास्तव ने आज सेक्टर-6 स्थित नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में सीईओ तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों संग विकास कार्यों व परियोजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक की। प्राधिकरण का चेयरमैन बनने के बाद उनकी यह पहली समीक्षा बैठक है।

बैठक में उन्होंने नोएडा प्राधिकरण की चल रहे कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं तथा विकास कार्यों को समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने लोकार्पण के लिए तैयार भंगेल एलीवेटिड तथा जंगल ट्रेल परियोजना की भी वस्तुस्थिति की जानकारी ली। मालूम हो कि उक्त दोनों परियोजनाओं का दीपावली के पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लोकार्पण किया जाना प्रस्तावित है। इसके अलावा चेयरमैन ने पुनर्वास योजना, वाटर मीटर, गड्ढा आयुक्त, सड़कों तथा अन्य विकास कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा की। खबर लिखे जाने तक समीक्षा बैठक जारी थी।

समीक्षा बैठक में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम, एसीईओ करूणेश कृष्ण, एसीईओ सतीश पाल, ओएसडी महेन्द्र प्रसाद, क्रांति शेखर, देवेन्द्र प्रताप, महाप्रबंधक (सिविल, जन स्वास्थ्य) एसपी सिंह, ए.के. अरोड़ा, महाप्रबंधक (जल सीवर एवं विद्युत यांत्रिकी) आर.पी. सिंह, उप महाप्रबंधक (सिविल) विजय रावल समेत उद्यान, विद्युत यांत्रिकी, सिविल, जन स्वास्थ्य, जल एवं सीवर आदि कई विभागों के शीर्ष अधिकारी भी मौजूद थे।

एक्वा मेट्रो के सिग्नल सिस्टम में खराबी

नोएडा (चेतना मंच)। आज नोएडा मेट्रो की एक्वा लाइन पर

तकनीकी खराबी के कारण मेट्रो का संचालन प्रभावित हुआ। इस वजह से ऑफिस जाने वाले यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर 12 बजे तक एक्वा मेट्रो लाइन पर तकनीकी खराबी को ठीक नहीं किया जा सका था।

मिली जानकारी के अनुसार, एक्वा मेट्रो लगभग 11:05 बजे सेक्टर-143 स्टेशन पर रुकी और करीब 11:35 बजे तक नहीं चली। इसके बाद मेट्रो स्टेशन 143 से 11:37 बजे एक्वा ट्रेन रवाना हुई, लेकिन मेट्रो स्टेशन-142 पर 11:39 बजे दोबारा रुक गई। करीब 16 मिनट बाद यानी 11:55 बजे मेट्रो फिर चली और सेक्टर-83 मेट्रो स्टेशन पर दोपहर 12:07 बजे पहुंची। लगातार रुक-रुक कर चलने से यात्रियों में नाराजगी देखी जा रही है। कई यात्रियों ने सोशल मीडिया पर इसकी शिकायत करते हुए NMRC से जवाब मांगा है। तकनीकी दिक्कत के चलने संचालन में देरी आई। (शेष पृष्ठ-4 पर)

नोएडा स्टेडियम में 'रन फॉर एंपावरमेंट मैराथन' आयोजित

सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने दिखाई हरी झंडी व प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

नोएडा (चेतना मंच)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में नारी शक्ति की गरिमा एवं आत्म-सम्मान को सशक्त करने के उद्देश्य से प्रदेशभर में चल रहे 'मिशन शक्ति फेज-5' के अंतर्गत आज नोएडा सेक्टर-21 ए स्थित नोएडा स्टेडियम में 'रन फॉर एंपावरमेंट' मैराथन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर संयुक्त पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्र समेत पुलिस कमिश्नरेट (शेष पृष्ठ-4 पर)

सोसायटी के टीनशेड में लगी आग

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 107 स्थित ग्रेट वैल्यू शरणम सोसायटी के टीनशेड में शनिवार करीब 12 बजे भीषण आग लग गई। सूचना पर आनन-फानन में अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर आग को बुझा रही है। आग से उठ रहा धुआं (शेष-4 पर)

नाबालिग की मौत पर परिजनों का हंगामा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के जारचा के प्यावली

गांव में एक निजी नर्सिंग होम में डॉक्टर द्वारा नाबालिग लड़के को गलत इंजेक्शन लगाये जाने से हुई मौत के मामले में आज लडके के परिजनों ने डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाही की मांग करते हुए दादरी

क्लीनिक में इंजेक्शन लगाने के बाद हुई थी मौत

के सरकारी अस्पताल पहुंचे और जमकर हंगामा किया। जानकारी मिलते ही जारचा थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच लोगों को शांत करने में जुटे है। लोगो के गुस्से को देख भारी फोर्स तैनात कर दिया है।

आपको बता दें कि नगला उदयपुर जिला हापुड़ निवासी 15 वर्षीय रजत भाटी को तेज बुखार का आ गया था। स्वजन उसे प्यावली स्थित डाक्टर महबूब अली के क्लीनिक में भर्ती कराया। आरोप है कि डॉक्टर ने उपचार के दौरान तेज बुखार में इंजेक्शन लगा दिया, जिसके लगाते ही किशोर की तबीयत और बिगड़ने लगी। स्वजनों ने उसे गाजियाबाद के एक निजी अस्पताल में ले गये जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रजत के पिता प्राइवेट गाडी चलाते है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

साइट पर रिव्यू देने के नाम पर युवती से लाखों की ठगी

नोएडा (चेतना मंच)। विभिन्न साइट पर रिव्यू देने के नाम पर इनकम करने का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक युवती से लाखों रुपए हड़प लिए। ठगी का शिकार हुई युवती ने थाना सेक्टर-20 में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-17 में रहने वाली रितिज्ञा श्री ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने डिजिटल मार्केटिंग सीखने के लिए यूट्यूब पर कई लिंक देखे थे। कुछ समय पहले टेलीग्राम सोशल मीडिया पर उसे एक लिंक आया और उसे एक चैनल में शामिल किया गया। उसे बताया गया कि कुछ सीटों पर रिव्यू देने से उसे पॉइंट्स मिलेंगे और उसे काम को करने पर उन्हें डिजिटल मार्केटिंग की भी जानकारी मिलेगी। उसे बताया गया कि रिव्यू देने पर कंपनी की तरफ से उसे भुगतान भी किया जाएगा। इसके लिए उसका एक साइट पर रजिस्ट्रेशन कराया गया। उसके द्वारा रिव्यू दिए गए पॉइंट्स के बदले उसे पैसों का भुगतान कर दिया गया। इसके बाद उसे चार लोगों के ग्रुप में ऐड कर दिया गया और उसे 7100 जमा करने को कहा गया। पैसे जमा करने के बाद उसे बताया गया कि (शेष पृष्ठ-4 पर)

नाबालिग किशोरी भगा ले गया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के तिगरी से एक युवक नाबालिक किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले गया। किशोरी के पिता ने आरोपी युवक के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया है।

तिगरी सोम बाजार में रहने वाले अशोक (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 3 अक्टूबर को सुदामापुरी डीजीए कॉलोनी में रहने वाला रोहन उनकी (15 वर्षीय) बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। इस बात की जानकारी मिलने पर उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी युवक और किशोरी की तलाश की जा रही है।

घरेलू नौकरानी पर चोरी का आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 में एक व्यक्ति ने अपनी घरेलू नौकरानी के खिलाफ जेवर चोरी करने का आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। घर की साफ-सफाई के लिए आई महिला ने पहले दिन ही जेवरातों पर हाथ साफ कर दिया।

सेक्टर-49 के ब्लॉक में रहने वाले अमित नेगी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 9 अक्टूबर को उन्होंने घर की साफ सफाई के लिए आशा नाम की महिला को काम पर बुलाया था। आशा का पति रिक्शा चलाने का काम करता है। आशा ने साफ सफाई के दौरान उनके घर में रखी आलमारी से जेवरात चोरी कर लिए। अमित नेगी के मुताबिक शाम के समय जब उनकी घरवाली ऑफिस से घर आई तो उन्हें अलमारी खुली हुई और जेवरात गायब मिले। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

पति के साथ पत्नी व परिजनों ने की मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख में एक युवक ने अपनी पत्नी साला व सलहज के खिलाफ गाली गलौज व मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने बीच बचाव करने आए उसके परिजनों के साथ भी मारपीट की।

ग्राम चिपियाना बुजुर्ग निवासी अरुण कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया (शेष पृष्ठ-4 पर)

नोएडा प्राधिकरण का नया भवन है या ताज महल!

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-96 में करीब तीन अरब की लागत से बन रहे नोएडा प्राधिकरण का दफ्तर अभी भी लोकार्पण की बाट जोह रहा है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना अधिकारियों की घोर लापरवाही,सनक और परस्पर विरोधी निर्णयों के चलते पूरा होने का नाम नहीं ले रही है। दिलचस्प बात यह है कि यह इमारत अभी पूरी तरह तैयार नहीं है और मुख्यमंत्री से इसका उद्घाटन करने के लिए प्राधिकरण ने बाकायदा पत्र भेजकर समय मांगा है।

5 जनवरी 2016 से बन रही इस महत्वपूर्ण इमारत का निर्माण कार्य पूर्व ठेकेदार प्रतिभा इंडस्ट्री लिमिटेड को ब्लैकलिस्ट करने के कारण दो वर्ष तक बंद भी रहा है। तीन अरब चार करोड़ रुपए से बन रहे इस भवन को पूर्व ठेकेदार ने जिस लापरवाही से बनाया वह भी एक मिसाल हो सकती है। दो टावरों में बन रही इस इमारत की छतों,पिलर व बीमों के बीच कोई तालमेल नहीं है।

सेक्टर-96 में वर्ष-2016 से शुरू निर्माण कार्य अभी तक पूरा नहीं

तत्कालीन मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी ने ठेकेदार फर्म को ब्लैकलिस्ट करने के बाद दो वर्ष तक इसे हाथ नहीं लगाया। 11 अक्टूबर 2022 को एक नयी ठेकेदार फर्म एस टी कंस्ट्रक्शन के साथ प्राधिकरण ने शेष और बिगड़े हुए काम को कराने का अनुबंध किया।आज उस अनुबंध को पूरे तीन वर्ष हो गए हैं परंतु प्राधिकरण के मुख्य कार्यालय की यह इमारत बनकर तैयार नहीं है। इस इमारत को अंतिम रूप देने में अभी भी नये नये प्रयोग और आविष्कार किए जा रहे हैं। प्रोद्योगिकी संस्थान रुड़की के विशेषज्ञों की सलाह पर बीम पिलर और छतों के बीच रेट्रोफिटिंग की जा रही है।साज सज्जा के लिए फाल्स सीलिंग बार बार उखाड़ी जा रही है। छठे और सातवें तल पर मुख्य कार्यपालक तथा अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारियों के कक्षों को बड़ा करने और उनमें फर्नीचर लगाने को लेकर चकल्लस हो रही है। 488 लोगों के बैठने की क्षमता वाले प्रेक्षागृह (ऑडीटोरियम) की पहले लगाई गई सभी कुर्सियां रंग पसंद न आने के आरोप में उखाड़कर फेंक दी गई हैं। अब नयी कुर्सियां लगाई जाएंगीं। इस बदलाव को देखकर मुहम्मद बिन तुगलक की याद आना स्वाभाविक है।

हालांकि पहले लगाई गई कुर्सियां भी अधिकारियों की पसंद के रंग की ही थीं। कार्यालय भवन के आगे प्रथम तल पर गाड़ियां पहुंचाने के लिए बनाए गए रैंप के ऊपर (पोर्श) पर एक छातानुमा आकृति बनाए जाने का नया फरमान जारी हुआ है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

राजकीय आईटीआई में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला 13 अक्टूबर को

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-31 स्थित राजकीय

आईटीआई में 13 अक्टूबर को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेले का आयोजन होगा। यह जानकारी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नोएडा गौतमबुद्धनगर के प्रधानाचार्य ने दी है।

उन्होंने बताया कि इस मेले में प्रदेश के सभी राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से किसी भी ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थी, साथ ही दसवीं अथवा बारहवीं पास अभ्यर्थी अपने मूल प्रमाणपत्रों सहित प्रात: 10 बजे से सायं 4 बजे तक प्रतिभाग कर सकते हैं।

प्रधानाचार्य ने बताया कि इस शिक्षुता मेले में जनपद गौतमबुद्धनगर स्थित नामी-गिरामी कंपनियाँ भी प्रतिभाग करेंगी। यह मेले में उपस्थित अभ्यर्थियों के लिए रोजगार प्राप्त करने का एक उत्कृष्ट और सुनहरा अवसर होगा। अत: अधिक से अधिक अभ्यर्थियों से अपील है कि वे इस अवसर का लाभ अवश्य उठाएँ।

नई शुरुआत

ऐसे वक्त में जब अमेरिका ने निरंकुश टैरिफ थोपने व भारत के हितों पर कुठाराघात की नीति अख्तियार की हुई है, ब्रिटेन के साथ रक्षा व कारोबारी रिश्तों में नई शुरुआत उम्मीद जगाने वाली है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते का सिरे चढ़ना दोनों पक्षों के हित में बताया जा रहा है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा को नई दिल्ली और लंदन के संबंधों में एक नये सिरे से बदलाव का प्रतीक बताया जा रहा है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात के प्रतीकात्मक और व्यावहारिकता की दृष्टि से गहरे निहितार्थ हैं। इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण समझौते इस यात्रा के महत्व को रेखांकित करते हैं। जिसमें 468 मिलियन डॉलर का मिसाइल सौदा, मुक्त व्यापार समझौते यानी एफटीए के शीघ्र क्रियान्वयन के लिये प्रतिबद्धता तथा भारत में नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालय खोलने पर सहमत होना शामिल है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी है कि इस रिश्ते में 'एक नई ऊर्जा है', जो व्यापार, प्रौद्योगिकी और प्रतिभा का समन्वय चाहती है। हालांकि, मुक्त व्यापार समझौते का मूल्यांकन, इसके प्रतीकात्मक मूल्य के बजाय इसके वास्तविक आर्थिक प्रभाव के आधार पर किया जाना चाहिए। मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन के बाद भारत के लिये ब्रिटिश बाजार तक भारतीय कपड़ों, दवा और सेवाओं, विशेष रूप से आईटी और फिनटेक के निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। लेकिन वहीं दूसरी ओर मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन को लेकर कुछ चिंताएं भी मौजूद हैं। मसलन छोटे और मध्यम उद्यमों के सामने सस्ते ब्रिटिश आयातों से कमजोर होने या नियामक विषमताओं का सामना करने की आशंका बनी हुई है। इसमें दो राय नहीं है कि एफटीए के फलस्वरूप, ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन के लिये, भारत एक अनिश्चित वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच विकास का एक लाभप्रद अवसर और एक स्थिर अर्थव्यवस्था वाला मजबूत साझेदार का मिलना है। लेकिन इसके बावजूद मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन में भारतीय हितों की रक्षा के लिये सतर्क पहल की जरूरत भी महसूस की जा रही है। वैसे यह भी तथ्य है कि अनुसंधान, डिजिटल नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा में पारस्परिक निवेश की कसौटी पर ही दोनों देशों के रिश्तों की असली परीक्षा होगी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय पेशेवरों या छात्रों के लिए वीजा मानदंडों में ढील देने से स्टारमर का स्पष्ट इनकार करना इस बहुप्रचारित साझेदारी की सार्थकता को लेकर सवाल पैदा कर सकता है। यह विडंबना ही है कि ब्रिटेन कुछ मुद्दों को लेकर दोहरा मापदंड अपना रहा है। एक ओर ब्रिटेन जहां भारतीय बाजार में अपनी पहुंच बनाना और साथ ही तकनीकी सहयोग तो पाना चाहता है, लेकिन वहीं वह श्रम की गतिशीलता को लेकर सतर्क बना हुआ है, जो कि ब्रिटेन के साथ भारत के आर्थिक और शैक्षिक जुड़ाव का एक केंद्रीय मुद्दा बना रहा है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि यदि प्रतिभाओं का आदान-प्रदान एकतरफा ही रहेगा, तो पारस्परिक लाभ पर साझेदारी फल-फूल नहीं सकती। निर्विवाद रूप से यह तथ्य तार्किक है कि मुक्त व्यापार समझौते की राह अभी भी बाधाओं से पूरी तरह से मुक्त नहीं हो पायी है। उल्लेखनीय है कि टैरिफ, बौद्धिक संपदा और श्रम गतिशीलता के मुद्दे पर मतभेद अभी भी बने हुए हैं। वहीं दूसरी ओर मूल्य आधारित कूटनीति पर भारतीय प्राथमिकता को लेकर दोनों देशों में मतभेद सामने आ सकते हैं। साथ ही यह भी जरूरी है कि दोनों पक्षों को पुरानी कसक से प्रेरित कूटनीति से आगे बढ़ने की जरूरत होगी। निर्विवाद रूप से विशेष संबंध औपनिवेशिक हैंगओवर या प्रवासी भावना पर आधारित नहीं हो सकते। इस साझेदारी का वायदा एक ऐसे सतत सहयोग के निर्माण में निहित है, जिसमें दोनों देशों के आम नागरिकों को वास्तविक लाभ मिल सके। भारत की चिंता ब्रिटेन की भूमि से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने वाले तत्वों पर अंकुश लगाने को लेकर भी है। निश्चय ही अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब अराजकता नहीं हो सकता। हाल के दिनों में कुछ अप्रिय घटनाएं भारतीय लोकतंत्र के प्रतीकों पर प्रहार करने के रूप में सामने आ चुकी हैं।

भारत पर लगाई शर्तें और अमेरिका को दिया जवाब

वैश्विक शक्ति-संतुलन अब केवल सैन्य बल या आर्थिक आकार से नहीं, बल्कि उन तत्वों की उपलब्धता से भी तय हो रहा है जिन्हें रेयर अर्थ मेटल्स कहा जाता है। यह वह दुर्लभ खनिज हैं जो आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक, रक्षा और हरित तकनीकों की आत्मा हैं। इन्हीं पर चीन ने एक बार फिर नियंत्रण कसते हुए दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि आने वाले वर्षों में वह केवल विनिर्माण महाशक्ति ही नहीं, बल्कि संसाधन-सर्वोच्चता की भूमिका भी निभाना चाहता है।

हम आपको बता दें कि चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने हाल ही में रेयर अर्थ और उनसे जुड़ी तकनीकों के निर्यात पर नए प्रतिबंध घोषित किए हैं। अब कोई भी विदेशी कंपनी यदि चीन से निकले इन तत्वों का उपयोग करती है तो उसे विशेष अनुमति लेनी होगी। नये प्रतिबंधों में न केवल कच्चे खनिज शामिल हैं, बल्कि खनन, स्मेल्टिंग, रीसाइक्लिंग और मैग्नेट निर्माण तकनीक तक को नियंत्रण के दायरे में लाया गया है। यह कदम उस समय उठाया गया है जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव नई ऊँचाइयों पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उच्च-टैरिफ नीति के जवाब में चीन ने रेयर अर्थ की आपूर्ति को रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू किया है।

हम आपको बता दें कि विश्व में रेयर अर्थ का लगभग 70 प्रतिश खनन और 90 प्रतिशत प्रसंस्करण चीन के नियंत्रण में है। यानी दुनिया की डिजिटल और सैन्य प्रगति की धुरी बीजिंग के हाथ में है। इसी संदर्भ में चीन ने भारत को रेयर अर्थ मैग्नेट्स की आपूर्ति के लिए जो शर्तें रखी हैं, वह केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि भूराजनैतिक प्रकृति की हैं। बीजिंग ने कहा है कि भारत को ये रेयर अर्थ मैग्नेट्स तभी मिलेंगे जब वह यह सुनिश्चित करेगा कि इनका उपयोग केवल घरेलू जरूरतों के लिए होगा और ये किसी भी रूप में अमेरिका तक नहीं पहुँचेंगे।

भारतीय कंपनियों ने एंड-यूज़र सर्टिफिकेट देकर यह आश्वासन दिया है कि इन मैग्नेट्स का उपयोग विनाशकारी हथियारों के निर्माण या सैन्य उत्पादन में नहीं किया जाएगा। लेकिन चीन ने भारत से यह भी आश्वासन माँगा है कि वह अमेरिका को इन तत्वों तक पहुँचने से रोकने की गारंटी दे। यही वह बिंदु है जो चीन की नीति का असली उद्देश्य उजागर करता है। यानि वह भारत को अपने नियंत्रण तंत्र में बाँधना चाहता है ताकि अमेरिकाङ्कभारत तकनीकी गठजोड़ को सीमित किया जा सके।

चीन ने अपने इन कदमों को राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक बताया है। परंतु विश्लेषकों का मानना है कि यह सुरक्षा की आड़ में रणनीतिक संसाधनों के हथियारकरण की नीति है। यह अमेरिका की चिप एक्सपोर्ट कंट्रोल नीति का जवाब है, जिसमें वाशिंगटन ने चीन को उच्च-स्तरीय सेमीकंडक्टर तकनीक देने पर प्रतिबंध लगाया था। अब बीजिंग उसी भाषा में जवाब दे रहा है—यदि तुम हमें चिप्स नहीं दोगे, तो हम तुम्हें रेयर अर्थ नहीं देंगे। साथ ही भारत जैसे देशों से वह यह सुनिश्चित करना चाहता है कि वह उसकी इस रणनीतिक घेराबंदी को कमजोर न करें।

देखा जाये तो भारत की दृष्टि से यह परिस्थिति दोहरी चुनौती प्रस्तुत करती है। एक ओर, भारत की ईवी, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा उत्पादन और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग इन रेयर अर्थ तत्वों पर निर्भर हैं। दूसरी ओर, चीन द्वारा लगाई गई अमेरिका-निरोधक शर्तें भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता को चुनौती देती हैं। उदाहरण के लिए, भारत में ईवी निर्माण में प्रयुक्त मोटरों के 12 से अधिक घटकों में रेयर अर्थ मैग्नेट्स की आवश्यकता होती है। हल्के रेयर अर्थ के निर्यात को चीन ने फिर से शुरू कर दिया है, परंतु भारी रेयर अर्थ मैग्नेट्स की आपूर्ति पर नियंत्रण अब भी जारी है। इसका सीधा असर बड़े वाहनों, बसों और इलेक्ट्रिक ट्रकों के निर्माण पर पड़ रहा है।

इसके अलावा, दो-पहिया निर्माता फिलहाल हल्के मैग्नेट या फेराइट मैग्नेट का उपयोग कर रहे हैं, परंतु इससे दक्षता घट जाती है और उत्पादन लागत बढ़ जाती है। इसलिए भारत के लिए यह स्थिति एक सख्त संदेश है कि सप्लाई चेन की स्वतंत्रता अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न बन चुकी है।

देखा जाये तो चीन की यह नीति केवल भारत या अमेरिका के खिलाफ नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था के पुनर्गठन का हिस्सा है। वह यह जताना चाहता है कि यदि पश्चिमी देश तकनीकी निर्यात पर रोक लगाएंगे, तो चीन अपने खनिज संसाधनों के वर्चस्व से जवाब देगा। चीन का यह कदम यह भी दिखाता है कि भविष्य की विश्व राजनीति 'खनिज प्रभुत्व' पर आधारित होगी। अमेरिका पहले ही इस दिशा में कदम उठा चुका है। उसने अपने घरेलू रेयर अर्थ उद्योग में 520 मिलियन का निवेश किया है और MP Materials जैसी कंपनियाँ अमेरिका के भीतर "Mine-to-Magnet" आपूर्ति श्रृंखला बनाने में जुटी हैं। लेकिन इस प्रक्रिया को पूरा होने में वर्षों लगेंगे। तब तक दुनिया को चीन की शर्तें माननी ही होंगी।

देखा जाये तो भारत को इस परिदृश्य में दो रास्तों में से एक चुनना होगा। या तो चीन पर निर्भर रहकर उसके बनाए गए नियंत्रण ढाँचे को स्वीकार करे, या अपने घरेलू रेयर अर्थ खनन और प्रसंस्करण उद्योग को सशक्त बनाकर स्वतंत्र आपूर्ति श्रृंखला तैयार करे। मोदी सरकार के पास अब यह अवसर है कि वह क्रिटिकल मिनरल मिशन को उसी प्राथमिकता से आगे बढ़ाए, जिस तरह चिप मिशन को बढ़ाया गया है। भारत के पास अंडमान, ओडिशा और अरुणाचल जैसे क्षेत्रों में रेयर अर्थ के पर्याप्त भंडार हैं, आवश्यकता केवल तकनीकी निवेश और नीति-साहस की है। कुल मिलाकर देखें तो चीन की शर्तों का वास्तविक अर्थ यही है कि जो देश संसाधन-निर्भर रहेगा, वह रणनीतिक रूप से स्वतंत्र नहीं रह सकेगा।

-नीरज कुमार दुबे

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि (उसने कहा-) दो राजकुमार बाग देखने आए हैं। किशोर अवस्था के हैं और सब प्रकार से सुंदर हैं। वे साँवले और गोरे (रंग के) हैं, उनके सौंदर्य को मैं कैसे बखानकर कहूँ। वाणी बिना नेत्र की है और नेत्रों के वाणी नहीं है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सुनि हरषीं सब सखीं सयानी। सिय हियँ अति उतकंठा जानी॥
एक कहइ नृपसुत तेइ आली। सुने जे मुनि सँग आए काली॥

यह सुनकर और सीताजी के हृदय में बड़ी उत्कंठा जानकर सब सयानी सखियाँ प्रसन्न हुईं। तब एक सखी कहने लगी- हे सखी! ये वही राजकुमार हैं, जो सुना है कि कल विश्वामित्र मुनि के साथ आए हैं॥2॥

जिन्ह निज रूप मोहनी डारी। कीन्हे स्वबस नगर नर नारी॥
बरनत छबि जहँ तहँ सब लोगू। अवसि देखिअहिं देखन जोगू॥

और जिन्होंने अपने रूप की मोहिनी डालकर नगर के स्त्री-पुरुषों को अपने वश में कर लिया है। जहाँ-तहाँ सब लोग उन्हीं की छबि का वर्णन कर रहे हैं। अवश्य (चलकर) उन्हें देखना चाहिए, वे देखने ही योग्य हैं॥

तासु बचन अति सियहि सोहाने। दरस लागि लोचन अकुलाने॥
चली अग्र करि प्रिय सखि सोई। प्रीति पुरातन लखइ न कोई॥

उसके वचन सीताजी को अत्यन्त ही प्रिय लगे और दर्शन के लिए उनके नेत्र अकुला उठे। उसी प्यारी सखी को आगे करके सीताजी चलीं। पुरानी प्रीति को कोई लख नहीं पाता॥

(क्रमशः..)

बंदा बहादुर सिंह की इतिहास को देन

बंदा बहादुर की जयंती है। बंदा बहादुर ने दशम गुरु गोविंद सिंह जी के छोड़े गए कार्य को आगे बढ़ाने का कार्य सफलतापूर्वक किया था। उनका बचपन का नाम लक्ष्मण देव (10 अक्तूबर 1670-9 जून 1716) था। उनका जन्म जम्मू कश्मीर के पुंछ परगना में राजौरी नामक गांव में हुआ। वे भारद्वाज गोत्र के राजपूत समुदाय से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता का नाम राम देव भारद्वाज था। लक्ष्मण देव को शिकार का शौक था। एक बार वे शिकार के लिए जंगल में गए और उन्होंने तवी नदी के किनारे पानी पी रही एक हिरणी का शिकार किया। हिरणी गर्भवती थी और उसका प्रसव होने वाला ही था। मृत हिरणी के पेट को जब मांस के लिए काटा गया तो उसके पेट में दो छौने बाहर गिरे जिन्होंने लक्ष्मण देव के सामने दम तोड़ दिया। इस घटना ने लक्ष्मण देव को भीतर तक हिला दिया। उन्होंने जीवन और मृत्यु के बीच की सबसे कमजोर कड़ी को अपने सामने टूटते ही नहीं देखा था बल्कि वे इस कड़ी को तोडने के स्वयं जिम्मेदार थे। उनको संसार की अनित्यता का भान हो गया। संसार अनित्य है तो स्थायी क्या है? यह प्रश्न लक्ष्मण देव के मस्तिष्क में निरंतर गूंजने लगा। मोचन अब उनका किसी काम में मन नहीं लगता था। वे सांसारिक कामों से उपराम होने लगे थे। सोते बैठते उनकी आंखों के आगे कातर आंखों से देख रही हिरणी और दम तोड़ते उसके दो बच्चे प्रत्यक्ष होने लगते। दो ऐसे बच्चे जिनके प्राण संसार में पहला सांस लेने के साथ ही ले लिए गए थे। यह काम लक्ष्मण देव ने ही किया था। अब जब घर में भी उसके सामने मांस परोसा जाता तो उसे वमन होने लगती और दम तोड़ रही हिरणी की कातर आंखें आ जातीं। गांव के मंदिर में ही एक वैरागी साधु जानकी दास रहता था।

महात्मा जानकी दास अपने समय के प्रकांड पंडित और वैरागी थे। लक्ष्मण देव का ज्यादा समय अब जानकी दास की सेवा और संगत में ही व्यतीत होने लगा था। जानकी दास ने उन्हें वैष्णव मत में दीक्षित किया और साथ ही नया नाम भी दिया। उनका सांसारिक नाम समाप्त हुआ और अब वे वैष्णव वैरागी परंपरा के माधोदास वैरागी हो गए। उन्होंने अहिंसा का मार्ग स्वीकार कर लिया था। तामसी भोजन का त्याग कर दिया। लेकिन अपने गांव में रहकर घर परिवार के मोह से मुक्त हो पाना भी तो कठिन ही था। उन्होंने घर त्याग दिया। वे नित्य व स्थायी की खोज में घर से निकल पड़े। लक्ष्मण देव के घर छोडने की घटना 1685 के आसपास की है और उस समय उनकी आयु पंद्रह वर्ष थी। उन्होंने त्रिकुटा की पहाडियों में रियासी नामक स्थान पर चिनाब नदी के किनारे अपना आश्रम स्थापित कर लिया। वहीं भजन वंदनीय करने और शास्त्रों का अध्ययन करने लगे। (कुछ विद्वानों के अनुसार बंदा बहादुर ने यह आश्रम मुगलों से लड़ाई के बाद स्थापित किया)। एक दिन वैरागी साधुओं का एक जत्था घूमता हुआ पहुंचा। यह जत्था कुछ दिन माधो दास के इस आश्रम में भी ठहरा। ज्ञान गोष्ठी होती रही। माधो दास को लगा वैरागी साधु का एक जगह टिक कर बैठना उचित नहीं है। वे उनके साथ ही तीर्थाटन के लिए चल पड़े। अनेक तीर्थ स्थानों पर घूमते हुए और विविध सम्प्रदायों के साधु संतों से शास्त्र संवाद करते हुए वे अंततः महाराष्ट्र में नासिक पहुंचे। वहां पंचवटी नाम का एक रम्य स्थान देखकर उन्होंने वहीं अपना आश्रम स्थापित कर लिया। कहा जाता है कि श्री रामचन्द्र जी भी अपने वनवास काल में अपनी पत्नी सीता जी और भाई लक्ष्मण के साथ इसी पंचवटी में ठहरे थे। इसे संयोग ही कहा जाएगा कि हजारों वर्षों बाद अब उसी पंचवटी में जम्मू से एक दूसरा लक्ष्मण आकर ठहरा था। कुछ कालखंड पंचवटी में रहने के बाद वे एक बार फिर यात्रा के लिए निकल पड़े। नांदेड़ नामक स्थान पर गोदावरी तट पर पहुंचे। यह स्थान उन्हें बहुत ही रमणीक लगा। अतः यहीं एक उपयुक्त स्थान चुन कर उन्होंने अपना नया आश्रम बना लिया और तपस्या करने लगे।

इसे संयोग ही कहना चाहिए कि दशगुरु परम्परा के दशम गुरु श्री गोविन्द सिंह जी भी अपनी सांसारिक यात्रा के अंतिम दिनों में नांदेड़ में ही पहुंचे और वहीं उन्होंने अपना निवास बनाया। गुरु जी को माधो दास वैरागी के आश्रम के बारे में पता चला। दोनों का लम्बा संवाद हुआ। तब दोनों की मुलाकात हुई। यह घटना सितंबर 1708 की है। गुरु जी ने माधो दास को सप्त सिन्धु/पंजाब की स्थिति के बारे में बताया। मुगल शासकों के अत्याचारों के बारे में जानकारी दी। समाधान के लिए खालसा पंथ की स्थापना के बारे में बताया। उन्होंने माधो दास को कहा कि व्यक्तिगत मोक्ष हेतु तपस्या तभी सार्थक है यदि देश में विदेशी शासन न हो और राजा राजधर्म का पालन करने वाले हों। गुरु जी ने माधो दास को प्रेरित किया कि वर्तमान परिस्थितियों में सबसे बड़ी तपस्या विदेशी मुगल शासन का अंत कर पुनः रूल ऑफ लॉ (धर्म) की स्थापना करना ही है। गुरु जी ने माधो दास को पंजाब में खालसा पंथ की औरंगजेब की सेना से हुई लड़ाइयों के बारे में भी बताया। गुरु गोविंद सिंह जी के तप-त्याग और उनकी साधना ने माधो दास वैरागी को बहुत प्रभावित ही नहीं किया, बल्कि उसके शेष जीवन की दिशा ही बदल दी। उसका राजपूती रक्त उबलने लगा। वह गुरु जी को प्रणाम कर अक्तूबर 1708 को पंजाब की ओर चल पड़ा। उस समय उसकी आयु 38 साल थी। भाई कान्ह सिंह नाभा का कहना है कि गुरु जी ने माधो दास वैरागी को नया नाम भी दिया। (गुरबख्श सिंह।) अब लक्ष्मण देव के जीवन की तीसरी यात्रा शुरू हुई। अभी तक लक्ष्मण देव, माधो दास वैरागी के रूप में शास्त्र साधना कर रहा था। अब उसके जीवन का शस्त्र साधना का युग शुरू हुआ था। लेकिन अभी माधो दास वैरागी को अपने आश्रम से चले कुछ दिन ही हुए थे कि उसे सूचना मिली कि दशम गुरु अपनी इहलीला समाप्त कर चले गए थे।

यह उसके लिए वज्राघात था, लेकिन इससे उसका संकल्प और मजबूत हुआ। उसे गुरु जी के अधूरे काम को उसकी परिणति तक लेकर जाना था। बंदा सिंह बहादुर ने दिल्ली और जम्मू के बीच का बहुत सा इलाका मुगलों की विदेशी सत्ता से मुक्त करवा लिया और वहां खालसा राज्य की स्थापना की घोषणा कर दी। उन्होंने इस शासन व्यवस्था में जो क्रान्तिकारी सुधार किया, वह था जो खेत को जोतता है खेत का मालिक वही होगा। उसने सत्ता के संचालन के लिए वर्तमान हिमाचल प्रदेश और हरियाणा की सीमा पर कपाल मोचन के पास भगवानपुर गांव की पहाडियों में अपना किला बनाया जो लोहगढ़ के नाम से प्रसिद्ध हुआ। बन्दा बहादुर ने सरहिन्द को पूरी तरह तबाह कर दिया जो उन दिनों विदेशी शासकों का बहुत बड़ा केन्द्र था। लेकिन अन्ततः उसी के कुछ साथी उसका साथ छोड़ कर मुगलों के साथ जा मिले। बन्दा बहादुर को इस विश्वासघात के कारण गढ़ी गुरदासनंगल से मुगल सेनाओं ने बंदी बना लिया। सभी को पिंजरे में कैद कर दिल्ली ले जाया गया। वहां महरौली के पास 9 जून 1716 को ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की दरगाह पर उनको अमानुषिक तरीके से शहीद कर दिया गया। यह शायद अपने महापुरुष ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी के आगे सिजदा करने का अरबी तरीका था। भारतीय इतिहास के एक स्वर्णिम अध्याय का अपने ही लोगों के विश्वासघात के चलते एक कारुणिक अंत हुआ। अब वह हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन इतिहास को उनकी देन के कारण वह आज भी पूजनीय हैं।

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री
वरिष्ठ स्तंभकार

राशिफल

कार्तिक माह, कृष्ण पक्ष, पंचमी

(विक्रम संवत् 2082)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शुभ समय, अच्छा समय, भाग्यकारी समय। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
एक दिन और है। कुछ घंटे की बात है। थोड़ा सा समय खराब है। प्रेम संतान का साथ होगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा रहेगा। व्यापार अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भावुकता पर काबू रखें। महत्वपूर्ण निर्णय थोड़ा रोक दें क्योंकि भावुकता में लिया गया निर्णय नुकसान करेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भौतिक सुख संपदा में वृद्धि होगी। भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी संभाव है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
अगर कुछ भी अपने व्यापारिक रूप में डिजाइन किया है, उसको कार्य रूप दें। शुभ समय है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
अपनों में वृद्धि होगी। धन में वृद्धि होगी। बस जुबान पर काबू रखें। निवेश पर काबू रखें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। समाज में सराहे जाएंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य थोड़ा ऊपर नीचे रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
राजनीतिक लाभ होगा। पिता का साथ होगा। कोर्ट कचहरी में विजय होगा। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ है।

करवाचौथ पर व्रती महिलाओं ने किया पूजन व चाँद का दीदार

सेक्टर-12 के एफजी ब्लॉक में करवाचौथ मनातीं श्रीमती नीलम बिग, वंदना गुगलानी, मधु जैन, मेघा मित्तल, लता विग, विमला विग, गुंजन जैन तथा अन्य व्रती महिलाएं।

सेक्टर-20 स्थित हनुमान मंदिर में करवाचौथ की कथा सुनती व्रती महिलाएं।

सेक्टर-34 स्थित बी-3 आरावली एपार्टमेंट के पार्क में करवाचौथ पर गीत-संगीत व नृत्य के साथ करवाचौथ मनाती ज्योत्सनामयी आचार्य, शर्मिला शर्मा, गीता गुप्ता, रूचि पारीक, नीलम कुमारी, रंजना प्रजापति, हेमलता, मुदिता रस्तोगी, कल्पना जैन, रानी सुयाल, पारूल आदि।

नेताजी मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते सपा नेता सुभाष भाटी (शहदरा) दादरी।

खुर्राट XI ने दर्ज की शानदार जीत

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 21ए स्थित क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए 25वें कैप्टन शशि कांत शर्मा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के चौथे मुकाबले में खुर्राट XI ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए S.S. नालंदा को 10 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

टॉस जीतकर खुर्राट XI ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया और S.S. नालंदा को निर्धारित 15 ओवर में 112/7 के स्कोर पर रोक दिया। नालंदा की ओर से ओम सैनी ने 39 रन (31 गेंद) और वियान राणा ने 35 रन (27 गेंद) की उपयोगी पारी खेली। खुर्राट XI की ओर से अमित नगर और नितिन नगर ने सटीक गेंदबाजी करते हुए विपक्षी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी खुर्राट XI की शुरुआत बेहद शानदार रही। टीम ने बिना कोई विकेट गंवाए मात्र 12.3 ओवर में 114 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। टीम की जीत में अभिषेक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 59 रन (39 गेंद) की नाबाद पारी खेली, वहीं मनीष भाटी ने भी 41 रन (36 गेंद) बनाकर अहम योगदान दिया।

मैच में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए अभिषेक को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया, जबकि विशेष प्रदर्शन के लिए ओम सैनी को सराहा गया। इस दौरान गौरव चोपड़ा, राजेंद्र सिंह व आयोजन समिति के संयोजक यूके भारद्वाज, स्पोर्ट्स कॉर्डिनेटर सुभाष शर्मा, सोशल मीडिया देख रहे शुभम भारद्वाज, अमन भारद्वाज, राजेंद्र सिंह, जेकेएस चौहान ने मेन ऑफ़ द मैच रहे अभिषेक को पुरस्कृत किया।

ग्रेटर नोएडा के सेक्टर बीटा- । में करवाचौथ पर समाजसेवी हरेन्द्र भाटी का छलनी से दीदार करती उनकी धर्मपत्नी।

आईआईए चैप्टर ने किया दीपोत्सव का भव्य आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) ग्रेटर नोएडा चैप्टर द्वारा दीपोत्सव 2025 का भव्य आयोजन रॉयल हैबिटेट सेंटर, ग्रेटर नोएडा के प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ चैप्टर के चेयरमैन सरबजीत सिंह एवं वरिष्ठ गणमान्यों द्वारा गणेश वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके उपरांत उपस्थित अतिथियों ने दिल्ली की प्रसिद्ध चाट, गीत-संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भरपूर आनंद लिया। इस शुभ अवसर पर बहुप्रतीक्षित चैप्टर मेंबर डायरेक्टरी और वर्ष 2026 के कैलेंडर का अनावरण भी किया गया।

इस अवसर पर नगर के अनेक वरिष्ठ उद्योगपति, प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न आईआईए चैप्टरों के प्रतिनिधि, प्रेस-मीडिया सदस्य सहित लगभग 450 से अधिक अतिथियों ने सपरिवार भाग लिया और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के स्पॉन्सर्स ने मंच से अपनी सेवाओं का परिचय दिया तथा सभी को दीपोत्सव की बधाई दी।

इस अवसर पर आईआईए के उपाध्यक्ष राजीव बंसल, राजीव सूद, बाबूराम भाटी, विशारद गौतम, ए.डी. पाण्डेय, सर्वेश गुप्ता, जे.एस. राणा, राजेश बंसल तथा नवीन गुप्ता (चेयरमैन, नोएडा चैप्टर) सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

चेयरमैन सरबजीत सिंह ने सभी अतिथियों, प्रायोजकों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और इसे उद्यमियों की एकता और उत्साह का प्रतीक बताया।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने चुनाव को लेकर की समीक्षा

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त राज प्रताप सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन गौतमबुद्धनगर के सभागार में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली वृहद पुनरीक्षण अभियान-2025 की प्रगति की समीक्षा के लिए मंडल स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक में गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, बागपत तथा बुलंदशहर जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट, उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) तथा मुख्य विकास अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों ने पंचायत निर्वाचन नामावली के वृहद पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत अब तक की गई कार्यवाही का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया और आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने यह भी कहा कि सभी जिलाधिकारी अपने-अपने जनपदों में पुनरीक्षण कार्य की दैनिक समीक्षा करें, प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से आयोग को भेजें तथा किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि आयोग द्वारा समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य अपेक्षित है।

बैठक के अंत में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने बैठक में उपस्थित होने वाले सभी अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक के समापन की घोषणा की।

विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापा खाद्य पदार्थों के नमूने लिए

नोएडा (चेतना मंच)। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि आज खाद्य सुरक्षा अधिकारी सय्यद इबादुल्लाह एवं अमर बहादुर सरोज की टीम द्वारा घोड़ी बछेड़ा स्थित अनुज कुमार शाक्य की रसगुल्ला निर्माणशाला पर छापा मारा गया तो विभिन्न दुकानों पर सप्लाई किए जाने के उद्देश्य से अस्वच्छकर दशा में बनाकर गंदे तरीके से भंडारण किए हुए भारी मात्रा में रसगुल्ला पाए गए, जिसमें मक्खी मच्छर भी पाए गये, इसके अतिरिक्त सफेद रंग का पावडर भी मिला जिसे उसके द्वारा अरारोट पाउडर बताया गया।

इस निर्माणशाला से रसगुल्ला का 1, छेना का 1, दूध का 1 एवं सफेद पाउडर का1 नमूना लेकर शेष लगभग 285 किग्रा रसगुल्ला नष्ट करा दिये गये तथा 35 किग्रा सफेद पाउडर सीज किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी एस के पांडेय, ओ. पी. सिंह एवं विशाल गुप्ता की टीम द्वारा टी वी एस वाली गली ब्रह्मपुरी दादरी स्थित गर्ग एजेंसी से सरसों के तेल का 1 व राइस ब्रान ऑयल का 1 नमूना लेकर अवशेष लगभग 150 किग्रा सरसों का तेल एवं 200 किग्रा राइस ब्रान ऑयल प्रथम दृष्टया मिलावटी/ मिथ्याछाप प्रतीत होने के कारण सीज कर दिया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार, विजय बहादुर पटेल एवं रविंद्र नाथ वर्मा की टीम द्वारा सूरजपुर ग्रेटर नोएडा स्थित लियाकत किराना स्टोर से बेसन का 01 नमूना तथा ऐच्छर ग्रेटर नोएडा स्थित लक्ष्मी डेयरी से पनीर का 1 नमूना लिया गया। इस प्रकार कुल 08 नमूने संग्रहीत कर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

सुनील पांडे बने (राष्ट्रीय लोकदल) सामाजिक न्याय मंच के महानगर अध्यक्ष

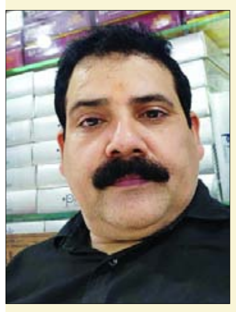

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री ,भारत सरकार चौधरी जयंत सिंह व प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय के निर्देशानुसार सेक्टर-37, अरुण विहार, निवासी एवं उज्जवल ज्वैलर्स सेक्टर 27, के स्वामी सुनील पांडे को (रालोद) सामाजिक न्याय मंच का नोएडा महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है । सुनील पांडे को यह जिम्मेदारी मिलने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

सुनील पांडे ने यह नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय व शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि वह पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को समर्पण भाव के साथ निभाने की कोशिश करेंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्याः 230-वि/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/583 दिनांकः 09.10.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विधुत अभियन्ता/क.वि./उ.म.रे./प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: 230-क0वि0-कार्य ठेका-974-2025 | **कार्य अवधिः** 04 महीना

कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल पर डबल स्टैक कंटेनर मूवमेंट के कारण आईसीडी दादरी यार्ड में 25 केवी हाई राइज ओएचई सिस्टम का डिजाइन आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य।

अनुमानित लागतः ₹ 3,30,85,423.97 | **बिड सुरक्षा राशिः** ₹ 3,15,400.00

बोली प्रणालीः एक पैकेट | **निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः** 31.10.2025, 14.00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 31.10.2025, 15.00 बजे

नोटः 1.उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) बेवसाइट **www.ireps.gov.in** पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। **2.**उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **1864/25(DG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सावर्जनिक नोटिस
(गाज़ियाबाद विकास प्रधिकरण)

जनसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक/ आवेदको ने नीचे सारणी के स्तम्भ-3 में उल्लिखित सम्पत्ति, जो प्राधिकरण की आवासीय / वाणिज्यिक / किराये की/नजूल इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट योजना के अन्तर्गत स्थित है, का अंतरण/नामांतरण अपने नाम कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है:-

क्र. स.	मूल आवंटी/ पट्टाधारक स्वामी का नाम	भूखण्ड/ भवन/फ्लैट संख्या	योजना का नाम	आवेदक का नाम (पिता का नाम सहित)	आवेदक का पता एवं दूरभाष संख्या	नामान्तरण का आधार	पट्टाधृत/पूर्ण स्वामित्व युक्तसम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
1	श्री राम कुमार वैश्य पुत्र स्व. श्री मूल चन्द	भूखण्ड संख्या - D-27-8, शिक्षक सहकारी आवास समिति	प्रताप विहार	श्री कृष्ण गोपाल सिंघल, श्री आदेश कुमार सिंघल, श्री विपिन कुमार सिंघल, व श्री अमित राय पुत्रगण श्री राम कुमार वैश्या	निवासी-D-27-B,निकट डबल वाटरटैंक, टीचर कॉलोनी, सेक्टर-12 प्रताप विहार गाज़ियाबाद उ.प्र. ! मो. 9810047346	आवंटी श्री श्री राम कुमार वैश्य पुत्र श्री स्व. श्री मूल चन्द की मृत्यु दिनांक 05.06.2008 को हो जाने के कारण !	पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त भूखण्ड / भवन / फ्लैट वह अपनी आपत्तियां सहायक दस्तावेजों सहित इस नोटिस के अन्तरण / नामान्तरण के विरूद्ध कोई आपत्ति हो, तो प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर सचिव, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को प्रस्तुत कर सकता/सकती है, अन्यथा स्तम्भ-5 में अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पत्ति का अंतरण/नामांतरण प्राधिकरण के अभिलेखो में दर्ज कर दिया जाएगा और कोई पश्चात्वर्ती दावा, यदि कोई हो, ग्रहण नहीं किया जायेगा।

Digitally signed by: VINAY KUMAR VERMA
Date: 12-09-2025 17:06:59
सहा० प्रभारी व्यवसायि

सपाइयों ने मनाई लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर शनिवार को सूरजपुर स्थित समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा उन्हें को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके जीवन पर विचार गोष्ठी का आयोजन कर उन्हें याद किया।

इस मौके पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण एक महान चिंतक एवं दूरदर्शी राजनीतिज्ञ थे। आधुनिक भारत के उन प्रमुख व्यक्तियों में वे एक थे, जिन्होंने भारत की राजनीति को गहन रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने भारत में न्यायपूर्ण सामाजिक व्यवस्था की स्थापना के लिए संघर्ष किया था। उन्होंने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा देने का काम किया।

उन्होंने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण विदेशी सत्ता से देशी सत्ता, देशी सत्ता से व्यवस्था, व्यवस्था से व्यक्ति में परिवर्तन के पक्षधर थे। वे भारत में ग्राम स्वराज्य का सपना देखते थे और उसे आकार देने के लिए उन्होंने अथक प्रयत्न किए। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश नारायण के मौलिक विचार आज भी अपने देश की ज्वलंत सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रासंगिक हैं।

इस मौके पर मुख्य रूप से अकबर खान, कुलदीप भाटी, सुदेश भाटी, अनूप तिवारी, सत्यप्रकाश नागर, रामशंकर भास्कर, जय सिंह चंदेल, इंसाद ननका, प्रमोद तिवारी, गुलजार, नौशाद, मुमताज, राजेश बैसला, सुखदेव, सूरज राजपूत आदि मौजूद रहे।

अखिलेश यादव का फेसबुक एकाउंट रिस्टोर

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का आधिकारिक फेसबुक अकाउंट शुक्रवार शाम को ब्लॉक कर दिया गया था, जिसके बाद सियासी हलचल मच गई। सपा ने आरोप लगाया कि यह केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार की साजिश है, जबकि सरकारी सूत्रों ने साफ किया है कि यह कार्रवाई फेसबुक की ओर से की गई है, सरकार का इससे कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि शनिवार सुबह फेसबुक ने अखिलेश यादव के पेज को अनब्लॉक कर दिया।

सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश यादव का फेसबुक पेज, जिसके 80 लाख से ज्यादा फॉलोवर्स हैं, शुक्रवार शाम करीब 6 बजे के आसपास ब्लॉक कर दिया गया था। बताया गया कि फेसबुक ने यह कदम एक 'हिंसक और अश्लील पोस्ट' को लेकर उठाया है। फेसबुक की यह कार्रवाई प्लेटफॉर्म की अपनी नीतियों के तहत की गई।

अखिलेश यादव का यह पेज अक्सर सरकार की नीतियों की आलोचना करने, कार्यकर्ताओं से जुड़ने और सपा के कार्यक्रमों की जानकारी साझा करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

घटना के बाद सपा नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी. पार्टी प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने लिखा, %देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी का फेसबुक अकाउंट सस्पेंड करना लोकतंत्र पर हमला है. भाजपा सरकार ने अघोषित इमरजेंसी लगा दी है, जहां हर विरोधी आवाज को दबाया जा रहा है. लेकिन समाजवादी पार्टी जनता विरोधी नीतियों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

फिलहाल, फेसबुक ने अखिलेश यादव के पेज को बहाल कर दिया है. जानकारी के मुताबिक, अकाउंट ब्लॉक होने के बाद सपा की आईटी टीम ने तुरंत मेटा को मेल किया था। पार्टी ने मामले की जानकारी फेसबुक इंडिया टीम को भी दी थी. अकाउंट एक्टिव होते ही अखिलेश यादव के पोस्ट और वीडियो फिर से दिखाई देने लगे।

बकरियों को पत्थर मारने को लेकर मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। घर के बाहर बंधी बकरियों को पत्थर मार रहे बच्चे की शिकायत उसके परिजनों से करना पड़ोसी को खासा महंगा पड़ा। शिकायत से गुस्साए बच्चे के परिजनों ने पड़ोसी के घर में घुसकर जमकर मारपीट की। मारपीट में कई लोग घायल हो गए। पीड़ित ने थाना दनकौर में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

दर्ज रिपोर्ट में ग्राम डेरी खूबन निवासी सद्दाम ने बताया कि वह अपनी पालतू बकरियों को घर के बाहर बांधते है। 2 अक्टूबर को पड़ोस में रहने वाला पप्पू का बेटा उनकी बकरियों को पत्थर मार रहा था जिससे बकरियां परेशान हो रही थी। सद्दाम के मुताबिक उसके माता-पिता इस बात की शिकायत लेकर पप्पू के घर पहुंचे। शिकायत करने पर पप्पू और उसके परिजन भड़क उठे इसके बाद उसके माता-पिता वापस अपने घर आ गए। सद्दाम के मुताबिक सुबह के समय पप्पू, अकरम, इमरान, इसरार, मुमताज, शमीम, अफसान, नन्हे अपने 10-15 अन्य साथियों को लेकर जबरन उसके घर में घुस आए। इन लोगों ने आते ही लाठी-डंडे, तलवार और फरसे से उन पर जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना में उसके माता-पिता व बहन को गंभीर चोटे आई। मारपीट करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए। इसके बाद वह अपने परिजनों को कासना स्थित काशीराम अस्पताल उपचार के लिए लेकर पहुंचा यहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

पीड़ित का कहना है कि आरोपी उसके परिवार से रंजिश रखते हैं और बेवजह आए दिन झगड़ा करने पर उतारू रहते हैं। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

बैंक से निकली वृद्ध महिला, बैग छीनकर बदमाश फरार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बैंक से पैसे निकाल कर बाहर आई एक वृद्ध महिला को सड़क पार कराते समय बदमाश ने उनके हाथ से बैग छीन लिया और फरार हो गया। बैग में 130000 रुपए, सोने के कुंडल, अंगूठी व चांदी के आभूषण रखे हुए थे। पीड़िता ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया है।

दादरी स्थित वैदिक कन्या इंटर कॉलेज से रिटायर्ड यशोदा राजकुमारी कुंजिल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 29 सितंबर को वह अपने पति डॉक्टर रूप सिंह के साथ जीटी रोड स्थित एसबीआई बैंक की शाखा से पैसे निकालने के लिए आई थी। उन्होंने बैंक से 80 हजार रुपए निकाले और अपने बैग में रख लिए। इसके बाद वह और उनके पति फल की दुकान पर सामान खरीदने लगे। इस दौरान एक अज्ञात व्यक्ति उनके पास आया और उनके पति से बात करने लगा। खरीदारी करने के बाद जब वह सड़क पार करने के लिए खड़ी थी तो उसने कहा कि वह उन्हें जानता है और सड़क पार कराने में मदद करने लगा। इस दौरान उसने उनके हाथ से जबरदस्ती बैग ले लिया और उसे लेकर फरार हो गया। पीड़िता के मुताबिक बैग में 130000 रुपये, सोने के कुंडल, अंगूठी, चांदी के जेवरात, आधार कार्ड आदि रखा हुआ था।

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और बदमाश की तलाश कर रही है।

वाहन की चपेट में आने से महिला की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के एलिवेटेड रोड के नीचे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

थाना प्रभारी ने बताया कि शुक्रवार को सूचना मिली कि एलिवेटेड रोड के नीचे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला की पहचान कराने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मृतका की पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

पृष्ठ एक के शेष....

देश में अनाज का....

फसलों में विविधता और फसल प्रबंधन को बेहतर करने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही पीएम मोदी ने दालों में मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए छह वर्षीय मिशन योजना की भी शुरुआत की। यह योजना 11,440 करोड़ रुपये की है। करीब 3,650 करोड़ रुपये की लागत से कृषि आधारभूत ढांचा फंड योजना की शुरुआत की गई है। पशुपालन के लिए 17 विभिन्न प्रोजेक्ट्स के लिए करीब 1166 करोड़ रुपये भी जारी किए गए हैं।

पीएम मोदी ने मतस्य पालन योजना के लिए भी करीब 693 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। फूड प्रोसेसिंग उद्योग को बढ़ावा देने के लिए करीब 800 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सरकार किसानों के बीच प्राकृतिक खेती को लोकप्रिय करने के लिए भी योजना चला रही है। विशेष कृषि कार्यक्रम में हिस्सा लेने से पहले पीएम मोदी ने विभिन्न किसानों से मुलाकात की और उनसे कृषि क्षेत्र की चुनौतियों और इस क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों पर चर्चा की।

नाबालिग की मौत पर....

परिवार में पत्नी सहित दो बेटे एक बेटी हैं। शिकायत दिये जाने के बावजूद जब कार्रवाही नही हुई तो आज रजत के परिवार वाले दादरी के सरकारी अस्पताल पहुंचे और जम कर हंगामा करने लगे। जारचा थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच लोगों को शांत करने में जुटे है। पुलिस के मुताबिक मामले की जांच के लिए सीईएमओ को पत्र लिखा गया है और आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

नोएडा प्राधिकरण का ....

बिजली फिटिंग का काम सिविल कार्य अधूरा होने के चलते और भी पीछे चल रहा है तो सिविल कार्य अधिकारियों के नित नए बदलाव के फरमानों से पूरा नहीं हो पा रहा है। निचले अधिकारी मुख्यमंत्री से समय मिलते ही उद्घाटन कराने का दम तो दिखाते हैं परंतु बिल्डिंग कब पूरी होगी,यह बताने को तैयार नहीं होते। छः महीने पहले 96 प्रतिशत कार्य पूरा होने का दावा किया गया था, शेष चार प्रतिशत काम पूरा नहीं हो पा रहा है।

नोएडा स्टेडियम में.....

गौतमबुद्धनगर के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में महिला प्रतिभागी उपस्थित रहीं।

मैराथन की शुरुआत स्टेडियम के गेट नंबर-4 से हुई और स्टेडियम का एक चक्कर लगाने के बाद मैराथन उसी स्थान पर इसका समापन हुआ। इस दौड़ का उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास, सुरक्षा और स्वावलंबन की भावना को प्रोत्साहित करना था। 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं कल्याण है।

मैराथन के बाद सांसद डॉ. महेश शर्मा ने विजित प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया।

एक्वा मेट्रो के सिग्नल....

मेट्रो को अलग अलग स्टेशन पर रोका गया है। वहीं, लंबे समय से अलग-अलग स्टेशनों पर इंतजार कर रहे यात्री वापस लौटकर सड़क मार्ग से ऑटो रिक्शा से जाने के लिए निकल रहे थे। परिचालन शुरू होने में देरी से यात्री निराश होकर स्टेशन से वापस बाहर लौट रहे हैं। मेट्रो सेवा बाधित होने से सुबह समय से स्कूल- कॉलेज और दफ्तर जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़।

इस संबंध में एनएमआरसी की प्रवक्ता निशा वधावन ने बताया मेट्रो का संचालन नहीं रुका था। मेट्रो के सिग्नल में दिक्कत वजह से रुक रुककर चल रही थी। मैनुअल संचालन में मेट्रो स्लो रही। इसकी पूरी जानकारी कुछ देर में टाइमलाइन के साथ प्रबंधन की ओर से जारी की जायेगी।

सोसायटी के टीनशेड में....

काफी दूर तक दिख रहा था। इस संबंध में मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे (सीएफओ) ने बताया कि सोसायटी के बाहरी हिस्से में बने टीनशेड में आग लगने की सूचना है। टीम दो गाड़ियों से आग को बुझाने में जुटी है। जल्द ही आग पर काबू पा लिया जाएगा। फिलहाल आग लगने से किसी के हताहत की कोई खबर नहीं है और आग किस वजह से लगी अभी तक इसका पता नहीं चल सका है।

सीएफओ के मुताबिक सोसायटी के बाहरी हिस्से में अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग के टीनशेड है। इसमें आग लगी है। फायर यूनिट की तीन गाड़ी मौके पर है। आग कंट्रोल में है। आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। आग लगने का कारण पता किया जा रहा है।

साइट पर रिव्यू....

कुछ गलती के कारण ग्रुप में जुड़े सभी लोगों के पैसे होल्ड कर दिए गए हैं। पैसे निकालने के लिए उन्हें 32000 की धनराशि जमा करनी होगी। इसके बाद उससे 80000 और जमा करा लिए गए। उसने जब टेलीग्राम के माध्यम से बात की गई तो उसे बताया गया कि उसके द्वारा जमा कराए गए पैसे सेफ हैं और इन पैसों को निकालने के लिए उसे 180000 रुपए देने होंगे। उसने ग्रुप में शामिल जब अन्य लोगों से बात की तो उसके समझ में आया कि वह साइबर ठगी का शिकार हो चुकी है। 7000 पाने के चक्कर में वह अपने 155000 गंवा चुकी है उसने तुरंत साइबर क्राइम में इसकी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और इस मामले में साइबर सेल की भी मदद ली जा रही है।

पति के साथ.....

कि 25 दिसंबर 2024 की देर रात्रि को उसकी पत्नी श्वेता सिंह अपने भाई प्रवीण कुमार, भाभी सीमा तथा एक अन्य व्यक्ति महावीर के साथ उसके घर पहुंची। इन लोगों ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी उसने जब गाली गलौज का विरोध किया तो सभी उस पर टूट पड़े और उसकी पिटाई शुरू कर दी। शोर शराबा सुनकर उसके परिजन मौके पर पहुंचे और बीच बचाव का प्रयास किया। आरोपियों ने उसके परिजनों के साथ भी मारपीट की। मारपीट करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस का कहना है की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

क्या स्मृति मंधाना को लग गई नजर!

महिला विश्व कप में रन के लिए जूझ रहीं शीर्ष-15 बल्लेबाजों में उनका नाम नहीं

महिला वनडे विश्व कप 2025 की शुरुआत से पहले दुनिया भर की महिला क्रिकेटरों से जब पूछा गया कि 'कौन-सी खिलाड़ी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा प्रभाव डालेगी?' तो लगभग सभी ने एक ही नाम लिया- स्मृति मंधाना। पाकिस्तान की फातिमा सना, श्रीलंका की विशमी गुणारत्ने, ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर, न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स और जेस कर और इंग्लैंड की लॉरेन बेल, सभी ने स्मृति का नाम लिया, लेकिन अब वही स्मृति मंधाना रनों के लिए जूझती हुई नजर आ रही हैं। टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में उनका बल्ला खामोश रहा है और वह अब तक इस टूर्नामेंट की शीर्ष-15 बल्लेबाजों की सूची में भी शामिल नहीं हैं।

मंधाना की फॉर्म बनी भारत के लिए चिंता का विषय

भारत की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना से इस विश्व कप में बड़ी उम्मीदें थीं। वे अपनी तकनीक, टाइमिंग और आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले वह रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रही थीं। हालांकि, अब तक खेले गए मैचों में वह अपनी लय नहीं पकड़ पाई हैं। शुरुआती पारियों में उनका औसत बेहद गिरा हुआ है और स्ट्राइक रेट भी प्रभावशाली नहीं रहा।

आईसीसी टूर्नामेंट्स में मंधाना का औसत प्रदर्शन

मंधाना का आईसीसी टूर्नामेंट्स में प्रदर्शन भी औसत रहा है। वनडे में जहां उनका करियर औसत 47.06 का और स्ट्राइक रेट 89.61 का है, वहीं टी20 में उनका करियर औसत 29.93 का और स्ट्राइक रेट 123.97 का है। हालांकि, महिला वनडे विश्व कप में मंधाना का औसत घटकर 34.05 का और स्ट्राइक रेट 82.94 का हो जाता है, जबकि टी20 विश्व कप में औसत घटकर 21.83 का और स्ट्राइक रेट 114.41 का हो जाता है।

मंधाना का अब तक रिकॉर्ड

मंधाना अब तक तीन पारियों में 18.00 की औसत से 54 रन बना पाई हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 72.97 का रहा है। वह अब तक सात चौके और एक छक्का लगा सकी हैं। वह इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में 22वें स्थान पर हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि मंधाना ओवरथिंकिंग और दबाव का शिकार हो रही हैं।

हरमनप्रीत ने शीर्ष क्रम पर फोड़ा था ठीकरा

पूर्व भारतीय खिलाड़ी मिताली राज ने कमेंट्री के दौरान कहा, "जब हर कोई आपसे उम्मीद रखता है, तो कभी-कभी खिलाड़ी खुद पर ज्यादा दबाव महसूस करने लगता है। स्मृति को बस अपने नैचुरल गेम पर लौटने की जरूरत है।' मंधाना के जल्दी आउट होने की वजह से भारत ने अब तक कोई धमाकेदार ओपनिंग नहीं की है और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद शीर्ष क्रम पर ही हार का ठीकरा फोड़ा।

सोशल मीडिया पर फैंस बोले- नजर लग गई!

स्मृति की गिरती फॉर्म पर सोशल मीडिया पर भी प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि लगता है इतनी सारी स्टार्स ने एक साथ मंधाना का नाम लिया तो उन्हें नजर लग गई। कई प्रशंसकों ने कहा कि स्मृति जल्द ही वापसी करेंगी, क्योंकि उनकी प्रतिभा और क्लास पर कोई सवाल नहीं। एक और फैन ने लिखा, 'स्मृति सिर्फ एक पारी दूर हैं, फॉर्म में लौटते ही सबको जवाब देंगी।'

टीम इंडिया को चाहिए ओपनिंग में ठोस शुरुआत

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस समय अपने मध्यक्रम पर निर्भर दिख रही है। ऐसे में ओपनर स्मृति मंधाना की वापसी टीम के संतुलन के लिए बेहद जरूरी है। भारत को आगामी मैचों में मजबूत शुरुआत की आवश्यकता है, जो स्मृति ही दे सकती हैं। क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि आने वाले मुकाबलों में स्मृति मंधाना अपने पुराने अंदाज में लौटेंगी। भारत का अगला मैच 12 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से है।

मुशीर खान से विवाद के बीच पृथ्वी शॉ महाराष्ट्र की रणजी टीम में शामिल, अंकित बावने बने कप्तान

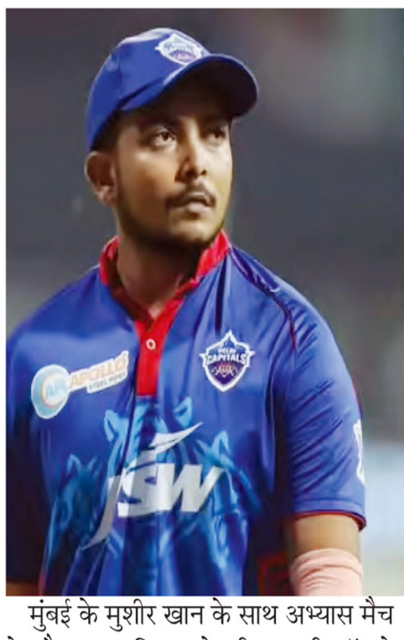

मुंबई के मुशीर खान के साथ अभ्यास मैच के दौरान हुए विवाद के बीच पृथ्वी शॉ को महाराष्ट्र की रणजी टीम में शामिल किया गया है। महाराष्ट्र ने आगामी रणजी ट्रॉफी सीजन के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें पृथ्वी शॉ और जलज सक्सेना नए चेहरे हैं। टीम की कमान अंकित बावने के हाथों में होगी, जिन्हें पूर्णकालिक कप्तान बनाया गया है।

पृथ्वी ने बल्ले से दिखाया दम

पृथ्वी ने मुंबई के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच में शानदार प्रदर्शन किया और 219 गेंदों पर 181 रन बनाए। हालांकि, उनकी यह पारी विवादित तरीके से समाप्त हुई जहां वह एक बार फिर विवादों में घिर गए। पृथ्वी इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और दोहरा शतक लगाने की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन मुशीर खान की गेंद पर स्वीप शॉट मारने के चक्कर में बाउंड्री पर कैच थमा बैठे।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

आउट होने के बाद पृथ्वी मुंबई टीम के खिलाड़ियों से भिड़ गए। पृथ्वी उस वक्त इतने गुस्से में थे कि उन्होंने मुशीर को बल्ला दिखाया। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि पृथ्वी के गुस्से का कारण क्या था, लेकिन अंपायर ने बीच-बचाव कर पृथ्वी को अलग किया और मामले को शांत कराया। मालूम हो कि मुशीर भारतीय क्रिकेटर सरफराज खान के भाई हैं। पृथ्वी का मुशीर से उलझने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें देखा जा सकता है कि पृथ्वी मुशीर को बल्ले दिखा रहे हैं जिसके बाद अंपायर ने उन्हें अलग कराया। इसके बाद जब पृथ्वी शॉ ड्रेसिंग रूम लौट रहे थे तो उनकी सिद्धेश लाड से भी बहस हो गई थी। फिर अंपायर को बीच बचाव के लिए बीच में आना पड़ा।

ग्रुप बी में शामिल महाराष्ट्र

महाराष्ट्र को पिछले साल की उपविजेता टीम केरल, सौराष्ट्र, चंडीगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब और गोवा के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। महाराष्ट्र का पहला मैच केरल के खिलाफ 15-18 अक्टूबर तक तिरुवनंतपुरम में होगा। टीम में भारतीय बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ भी शामिल हैं जो पहले अपनी राज्य टीम की कप्तानी कर चुके हैं। चयनकर्ताओं ने अनुभव को प्राथमिकता देते हुए राजवर्धन हंगरगेकर की जगह प्रदीप दाधे को चुना।

मुंबई छोड़ महाराष्ट्र का हिस्सा बने पृथ्वी शॉ

शॉ और सक्सेना दोनों इस घरेलू सत्र से पहले महाराष्ट्र की टीम में शामिल हुए थे। शॉ ने मुश्किल दौर के बाद अपनी घरेलू टीम मुंबई को छोड़ दिया था।

इस दौरान उन्होंने लाल गेंद की टीम में अपनी जगह भी खो दी। वह अपने करियर की नई शुरुआत करने के लिए महाराष्ट्र में शामिल हो गए।

सक्सेना ने 2005-06 में मध्य प्रदेश के लिए पदार्पण किया था। वह 2016-17 सत्र में केरल में शामिल हुए और पिछले साल रणजी फाइनल में खेले जिसमें टीम विदर्भ से हार गई। महाराष्ट्र पिछले रणजी ट्रॉफी सत्र (2024-25) में सात मैचों में दो जीत, दो ड्रॉ और तीन हार के साथ एलीट ग्रुप ए अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा था।

टीम इस प्रकार है

अंकित बावने (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, पृथ्वी शाव, अर्शिन कुलकर्णी, सिद्धेश वीर, सौरभ नवले (विकेटकीपर), मंदार भंडारी (विकेटकीपर), जलज सक्सेना, विक्की ओस्तवाल, रामकृष्ण घोष, मुकेश चौधरी, प्रदीप दाधे, हितेश वालुंज, सिद्धार्थ म्हात्रे, हर्षल काटे, रजनीश गुरबानी।

धोनी ने मदुरै में किया क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन हवाई अड्डे पर फैंस का लगा हुजूम

पूर्व भारतीय कप्तान एम एस धोनी गुरुवार को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन करने मदुरै शहर पहुंचे तो प्रशंसक उनके स्वागत के लिए हवाई अड्डे पर उमड़ पड़े। इसका वीडियो और तस्वीरें भी सामने आई हैं।

धोनी को तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) के सहयोग से 'वेलाम्मल एजुकेशनल ट्रस्ट' द्वारा विकसित स्टेडियम तक ले जाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 325 करोड़ रुपये की लागत से बना यह स्टेडियम मदुरै में चिंतामणि रिंग रोड पर वेलाम्मल अस्पताल के पास 11.5 एकड़ में फैला है और इसमें 7,300 लोगों के बैठने की क्षमता है।

धोनी का अंतरराष्ट्रीय करियर

चेन्नई सुपर किंग्स में 'थाला' के रूप में जाने जाने वाले धोनी ने भारत के लिए 98 टी20 खेले, जिसमें 126.13 के स्ट्राइक रेट से 37.60 की औसत से 1,617 रन बनाए। उनके नाम इस प्रारूप में दो अर्धशतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 56 रन है। टेस्ट की बात करें तो धोनी ने 90 मैच खेले, जिसमें 38.09 की औसत से 4,876 रन बनाए। उन्होंने 224 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ छह शतक और 33 अर्धशतक बनाए। वह टेस्ट में भारत के लिए 14वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। एक कप्तान के रूप में उन्होंने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें से उन्होंने 27 मैच जीते, 18 हारे और 15 ड्रॉ रहे।

आईपीएल में अभी भी खेल रहे धोनी

आईसीसी खिताब के लिए भारत का मार्गदर्शन करने के अलावा, उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और चैंपियंस लीग टी20 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को भी चैंपियन बनाया है। उन्होंने सीएसके को 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में पांच आईपीएल खिताब दिलाए हैं। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने 2010 और 2014 में चैम्पियंस लीग टी20 का खिताब जीता है। धोनी ने 2016 से 2017 में सीएसके के बैन होने पर राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स के लिए खेले थे। आईपीएल में धोनी ने 278 मैच खेले हैं। इनमें उन्होंने 38.30 की औसत और 137.45 के स्ट्राइक रेट से 5,439 रन बनाए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में 24 अर्धशतक भी लगाए हैं। उनके नाम 158 कैच और 47 स्टंपिंग भी हैं।

रोहित को वनडे कप्तानी से हटाने पर आई गांगुली की प्रतिक्रिया

शुभमन गिल को भारतीय वनडे टीम की कप्तानी सौंपने पर पूर्व खिलाड़ियों से मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली है और अब पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भी इसे लेकर अपनी राय रखी है। गांगुली टीम प्रबंधन के इस फैसले से खुश हैं और उन्होंने गिल को कप्तानी सौंपने का समर्थन किया है। मौजूदा समय में बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष गांगुली का कहना है कि रोहित को कप्तानी से हटाने से पहले उनसे सलाह-मशविरा किया गया होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से संभालेंगे कमान

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान किया था। इसके लिए वनडे टीम की कमान रोहित के बजाए गिल को सौंपी गई थी जो टेस्ट में भी टीम की कप्तानी करते हैं। रोहित

को इस तरह कप्तानी से हटाए जाने से उनके फैंस निराश हुए थे और मोहम्मद कैफ सहित कुछ अन्य पूर्व क्रिकेटरों ने इस फैसले पर नाराजगी जताई थी, लेकिन दादा के नाम से मशहूर गांगुली ने गिल को कप्तान बनाए जाने का समर्थन किया है।

गांगुली बोले- रोहित से सलाह करके लिया गया होगा फैसला

गांगुली ने कहा, मुझे लगता है कि यह रोहित के साथ सलाह-मशविरा करके किया गया है। मुझे नहीं पता कि अंदर क्या है। मुझे लगता है कि यह एक उचित फैसला है। रोहित खेलते रह सकते हैं और इस बीच आप एक युवा कप्तान को तैयार करते रह सकते हैं। इसलिए मुझे इसमें कोई समस्या नहीं दिखती। मुझे यकीन है कि रोहित से बात की गई होगी। इसलिए मुझे नहीं पता कि यह बर्खास्तगी है या कुछ और। मुझे यकीन है कि यह आपसी बातचीत होगी क्योंकि रोहित एक बेहतरीन कप्तान रहे हैं। पिछले दो वर्ष में उन्होंने टी20 विश्व कप जीता है। उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी जीती है इसलिए रोहित शर्मा के लिए प्रदर्शन कोई मुद्दा नहीं है। मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं के दिमाग में यही बात है। जैसा कि उन्होंने पूछा कि दो साल बाद जब दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप होगा तब वह 40 साल के हो जाएंगे। गांगुली ने कहा, रोहित टी20 क्रिकेट नहीं खेलते इसलिए वह 2026 में भारत में होने वाले विश्व कप का हिस्सा नहीं होंगे, लेकिन जब वह 2027 में दक्षिण अफ्रीका जाएंगे तब वह 40 साल के हो जाएंगे और यह खेल में एक बड़ी संख्या है।

रोहित इतने लंबे समय से खेल रहे हैं इसलिए मुझे नहीं लगता कि कोई भी निश्चित है कि रोहित 40 साल की उम्र में खेलेंगे या नहीं। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह सबसे बुरा फैसला है। ऐसा सबके साथ होता है।

हरमनप्रीत ने बल्लेबाजों पर फोड़ा दक्षिण अफ्रीका से हार का ठीकरा, बोलीं- जिम्मेदारी ही नहीं उठाई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को महिला विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन विकेट से हार झेलनी पड़ी। मैच के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के शीर्ष क्रम (टॉप ऑर्डर) को कठोर शब्दों में लताड़ लगाई। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी नहीं ली और इसी कारण टीम को जीत से हाथ धोना पड़ा।

हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा, 'हमने टॉप ऑर्डर के रूप में जिम्मेदारी नहीं ली। हमें चीजें बदलनी होंगी और अच्छे स्कोर बनाने होंगे। टूर्नामेंट लंबा है, इसलिए सकारात्मक रहना होगा। यह कठिन मैच था, लेकिन इससे बहुत कुछ सीखने को मिला।'

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 102 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे, लेकिन विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष ने टीम को संभाला। उन्होंने 77 गेंदों में 94 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 11 चौके और चार छक्के शामिल थे। उनकी यह पारी भारत को 251 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में अहम रही।

हरमनप्रीत ने ऋचा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह हमारे लिए बेहतरीन रहीं हैं। उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह

तारीफ के काबिल है। वह बड़े स्कोर बना सकती हैं और उम्मीद है कि वह ऐसे ही जारी रखेंगी।'

दक्षिण अफ्रीका की शानदार वापसी

दक्षिण अफ्रीका की ओर से नादीन डी क्लर्क ने 54 गेंदों में 84 रन नाबाद की धमाकेदार पारी खेली। उन्होंने एल वोलवार्ड्ट (70) और क्लोए ट्रायन (39 नाबाद) के साथ मिलकर टीम को रोमांचक जीत दिलाई। डी क्लर्क को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। डी क्लर्क ने मैच के बाद कहा, 'भारत को उनके घर में हराना सबसे बड़ी उपलब्धि है। हमने खेल को गहराई तक ले जाकर जीत हासिल की। हम जानते थे कि अगर मैच को लंबा ले जाएं तो जीत सकते हैं।'

वोल्वार्ड्ट बोलीं- ऐसा कुछ कभी नहीं देखा

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान एल वोल्वार्ड्ट ने मैच के बाद कहा, 'मैंने अपने करियर में ऐसा कुछ नहीं देखा। डी क्लर्क की पारी बेहद खास थी। हमें थोड़ी मुश्किल में थे, लेकिन उन्होंने हमें संभाल लिया।' उन्होंने आगे कहा कि टीम ने अपने पहले मैच से सीख ली थी और इस बार शांत दिमाग से खेला।

अंक तालिका में तीसरे स्थान पर भारत

इस हार के साथ भारत को टूर्नामेंट में पहली हार मिली है। अब टीम को अगले मुकाबलों में बेहतर बल्लेबाजी और सामूहिक प्रदर्शन की जरूरत होगी। कप्तान हरमनप्रीत ने साफ कहा कि टीम को मानसिक रूप से मजबूत रहना होगा और गलतियों से सीखकर आगे बढ़ना होगा। भारत इस हार के साथ अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बाद तीसरे स्थान पर है। भारत का अगला मैच 12 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से है।

'अगर आपकी टीम की नींव टी20 पर टिकी है तो...', कप्तान गिल ने दो स्तरीय प्रणाली को लेकर रखी राय

भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इशारों में वेस्टइंडीज टीम पर निशाना साधा है। गिल ने कहा कि टेस्ट उत्कृष्टता पर आधारित क्रिकेट व्यवस्था मजबूत एकदिवसीय और टी20 टीमें तैयार करेगी लेकिन इसके विपरीत स्थिति नहीं होगी। उन्होंने हालांकि इस बहस को दरकिनार कर दिया कि क्या वेस्टइंडीज जैसी टीम के संघर्ष को देखते हुए टेस्ट में दो स्तरीय प्रणाली की आवश्यकता है।

वेस्टइंडीज के प्रदर्शन में आई है गिरावट

वेस्टइंडीज एक समय मजबूत टीम मानी जाती थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनके प्रदर्शन में गिरावट देखने मिली है। पिछले दो दशक में कैरेबियाई क्रिकेट में काफी बदलाव आया है और टी20 लीग की सफलता का मतलब है कि इसकी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं ने वित्तीय स्थिरता के लिए इन लीगों में खेलने का रास्ता चुना है जिससे लाल गेंद के खिलाड़ियों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय और तेजी से गिरावट आई है।

दो स्तरीय प्रणाली पर क्या बोले गिल?

अहमदाबाद में पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को पारी और 140 रन से हराने के बाद गिल से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि अब दो स्तरीय प्रणाली का समय आ गया है तो भारतीय कप्तान ने वेस्टइंडीज का नाम लिए बिना एक मजबूत नींव के महत्व के बारे में बात की। गिल ने दूसरे टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर कहा, मुझे लगता है कि यह आईसीसी का फैसला होगा कि दो स्तरीय प्रणाली होनी चाहिए या नहीं। लेकिन मुझे लगता है कि एक क्रिकेट खेलने वाले देश के तौर पर अगर आपका लाल गेंद का आधार बहुत मजबूत है तो आप एकदिवसीय और टी20 में अपने आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। अगर आप इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, किसी भी टीम को देखें। अगर टेस्ट टीम बहुत अच्छी हैं तो यह स्वाभाविक है कि आपकी एकदिवसीय और टी20 टीम भी अच्छा प्रदर्शन करेंगी।

गिल ने कहा, मुझे नहीं पता, हो सकता है कि उनके वेस्टइंडीज खिलाड़ियों का ध्यान टी20 और लीग पर अधिक हो। इसलिए अगर आपका ध्यान उसी पर है और आप खेल के आधार को भूल जाते हैं तो किसी भी देश का संघर्ष वहीं से शुरू होता। अगर आप टेस्ट प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं तो स्वाभाविक है कि वनडे और टी20 में भी आपकी टीम अपने आप अच्छी होगी। अगर आपके पास अच्छा आधार है तो आपके पास अच्छे विकल्प होंगे।

'बुमराह को आराम मिलना चाहिए' अभिषेक नायर की गौतम गंभीर को सलाह

पूर्व भारतीय सहायक कोच अभिषेक नायर ने जसप्रीत बुमराह के वर्कलोड प्रबंधन पर अपनी राय दी है और कहा है कि उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से आराम दिया जाना चाहिए। भारत और वेस्टइंडीज के बीच शुक्रवार से दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। नायर ने बुमराह के अलावा केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और कुलदीप यादव पर भी बात की।

'बुमराह को मिले आराम'

इस सीरीज के बाद भारतीय टीम तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। चयनकर्ताओं ने बुमराह को वनडे सीरीज के लिए नहीं चुना है जबकि टी20 सीरीज में वह खेलते नजर आएंगे। नायर ने कहा, 'मुझे लगता है कि बुमराह यह टेस्ट खेलेंगे। मैं जानता हूं कि वह भारत की तरफ से ही खेलेंगे। इसलिए उन्हें थोड़ा आराम देना जरूरी है, लेकिन ऐसा लगता है कि वे यह मैच खेलेंगे।' चाहता है ताकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में फायदा मिल सके। हालांकि, मेरी निजी राय में बुमराह को आराम देना चाहिए, क्योंकि वे भारत के लिए बेहद अहम खिलाड़ी हैं। आगे ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज है और फिर टी20 विश्व कप भी आने वाला है। इसलिए उन्हें थोड़ा आराम देना जरूरी है, लेकिन ऐसा लगता है कि वे यह मैच खेलेंगे।'

नायर ने केएल और जुरेल के प्रदर्शन को सराहा

भारत ने पहला मुकाबला पारी और 140 रन से जीता था। इस मुकाबले में केएल राहुल ने शानदार शतक जड़ा था। नायर ने उनके प्रदर्शन पर कहा, 'राहुल दिल्ली की पिच को अच्छी तरह जानते हैं। उन्होंने यहां आईपीएल में 500 से ज्यादा रन बनाए हैं। उनके खेल में सबसे बड़ा बदलाव तकनीकी नहीं, बल्कि मानसिक है। वे अब ज्यादा इरादे के साथ खेलते हैं। पिछले मैच में शतक के बावजूद वे निराश दिखे क्योंकि वे जानते थे कि इसे 150–200 तक ले जा सकते थे। यही भूख उन्हें और आगे ले जाएगी।'

अहोई अष्टमी पर इस कुंड में लगाएं डुबकी, मिलेगा संतान सुख का आशीर्वाद

अहोई अष्टमी 13 अक्टूबर सोमवारको है। अहोई अष्टमी के दिन संतान की सुरक्षा के लिए पूजा और व्रत करते हैं। मथुरा में एक ऐसा चमत्कारी कुंड है, जहां अहोई अष्टमी के दिन कुंड में स्नान करने के लिए बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं। मथुरा के गोवर्धन के पास राधा कुंड है।

राधा कुंड में स्नान से संतान सुख की प्राप्ति

अहोई अष्टमी के दिन कुंड को खास तरीके से सजाया जाता है। माना जाता है कि कार्तिक कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन जो भी दंपत्ति जोड़े के साथ कुंड में स्नान करता है, तो उसे संतान सुख की प्राप्ति होती है। इसके अलावा, संतान के जीवन में आई बाधाओं का भी नाश होता है। इस कुंड को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। यह भी कहा जाता है कि राधा कुंड में स्नान करने से गौ हत्या के पाप से भी मुक्ति मिलती है।

राधारानी का आशीर्वाद

अहोई अष्टमी के दिन भक्त कुंड में आधी रात को स्नान करने आते हैं और अपनी मनोकामना की पूर्ति करते हैं। स्नान करने के बाद भक्त कुंड की परिक्रमा करते हैं और राधारानी का आशीर्वाद लेने के लिए बरसाना में स्थित मंदिर भी जाते हैं।

राधा कुंड की कथा

राधा कुंड के बारे में कहा जाता है कि राधारानी के आदेश पर श्रीकृष्ण ने अरिष्टासुर दैत्य (आधा बैल, आधा राक्षस) का वध किया था। अब हत्या और गौ हत्या का पाप मिटाने के लिए राधारानी ने सभी पवित्र जलों में स्नान करने का सुझाव दिया। ऐसे में भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर सभी पवित्र नदियों का जल इकट्ठा कर लिया।

कहा जाता है कि कुंड का निर्माण राधारानी ने अपने कंगन से किया। राधा रानी के कंगन से दो कुंड बने, पहला श्याम कुंड और दूसरा राधा कुंड। इस कुंड को भगवान कृष्ण का मुकुट भी कहा जाता है, क्योंकि भगवान कृष्ण ने हमेशा राधा रानी को अपने मस्तक पर स्थान दिया है।

ताउम्र बना रहेगा प्यार

राधा कुंड में दुनिया की सारी पवित्र नदियों का जल एक जगह ही मिल जाता है, जिसकी वजह से श्रद्धालुओं के बीच कुंड की आस्था बहुत है। इस कुंड को राधा और श्याम के प्यार का पवित्र स्थान भी माना जाता है। कहा जाता है कि शादी होने के बाद नव-दंपति को कुंड में स्नान करना चाहिए, जिससे उनके जीवन में ताउम्र प्यार बना रहे। इन कुंडों में नहाने से राधा और कृष्ण दोनों का आशीर्वाद मिलता है।

नीम का पेड़ शुभ क्यों माना जाता है? घर के बाहर लगाने से क्या होंगे लाभ

ज्योतिषाचार्य ऋषिकांत मिश्र शास्त्री के मुताबिक, नीम कई औषधीय गुणों से भरपूर होने के साथ कई वास्तु दोषों को खत्म करने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नीम के पेड़ को घर के बाहर सही दिशा में लगाने से घर में बरकत होने लगेगी। आइए जानते हैं आखिर नीम के पेड़ महत्व क्या है और घर के बाहर लगाने के फायदे क्या हैं?

हिन्दू धर्म में नीम के पेड़ का विशेष महत्व होता है। घर के बाहर नीम का पेड़ होने से नकारात्मक शक्तियों की हानि होती है। इसके साथ ही यह शनि, राहु-केतु की पीड़ा से भी बचाता है। ऐसे में यदि घर के बाहर सही दिशा में इस पेड़ को लगाते हैं तो घर की बरकत होने लगती है।

घर के बाहर नीम का पेड़ होना बेहद फलदायी माना जाता है। इस पेड़ का सीधा संबंध मंगल ग्रह से होता है। इसके साथ ही केतु और शानि ग्रह भी इससे संबंध रखते हैं। ऐसे में यदि आप नीम का पेड़ लगाना चाहते हैं तो दक्षिण दिशा बेहद शुभ रहेगी। दक्षिण दिशा में नीम का पेड़ लगाने से घर में लंबे समय से रुकी बरकत दोबारा से शुरू हो जाएगी।

हिन्दू धर्म में नीम के पेड़ को नीमाड़ी देवी कहा जाता है। इस पेड़ में देवी का वास होने से इसका पूजन किया जाता है। मान्यता है कि इस पेड़ की लकड़ियों से हवन करने से वास्तु दोष दूर हो जाते हैं। परिवार में सुख-शांति आती है और पितृ दोष से भी मुक्ति मिलती है। इसके अलावा नीम की पत्तियों से घर में धुआं करने से नकारात्मक शक्तियां नष्ट होती है

नीम के पेड़ का मंगल ग्रह से संबंध होता है। इसके चलते इस पेड़ पर जल अर्पित करने से हनुमान जी प्रसन्न होते हैं, जिसके फलस्वरूप वह मंगल के दुष्प्रभाव के खत्म करते हैं। इसके साथ ही, नीम की माला पहनने से शनि के दोषों को टाला जा सकता है।

वहीं, कुंडली में केतु ग्रह शांत करने के लिए नीम की पत्तियां पानी में डालकर स्नान करें। ऐसा करने से आपको कई समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

घर के बाहर पेड़ लगाने और उसकी पूजा करने से कई राशि वालों को विशेष लाभ मिलता है। ज्योतिषशास्त्र में शनि को मकर और कुंभ राशि का स्वामी माना जाता है। इसलिए शनिदेव की पूजा करने से इन राशि वालों को विशेष फल मिलता है। शनि खुश रहें, इसीलिए घर के बाहर नीम का पेड़ लगाया जाता है।

धनतेरस पर भूलकर भी किसी को ना दें ये चीजें, रूठ जाएंगी मां लक्ष्मी

हिन्दू धर्म में सालभर में कई उत्सव आते हैं। उन्हीं उत्सव में से एक धनतेरस का त्योहार दिवाली के पांच दिवसीय उत्सव की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इसे धनत्रयोदशी भी कहा जाता है। यह पर्व हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इसी दिन से घर-परिवार में सुख, समृद्धि और ऐश्वर्य का आगमन होता है। धनतेरस पर विशेष रूप से कई शुभ वस्तु खरीदना शुभ माना जाता हैं। लेकिन, धनतेरस को लेकर कुछ नियमों के बारे में बताया जाता है जिनका ध्यान रखें तो धन संबंधी दिक्कतों को खुद से दूर किया जा सकता है।

इसी तरह धनतेरस को लेकर एक नियम ये भी है कि धनतेरस की शाम को किसी को भी 5 विशेष चीजें उधार में कभी नहीं देनी चाहिए। आइए उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से जानते हैं...

धनतेरस पर धन की देवी लक्ष्मी के साथ भगवान कुबेर की पूजा का विधान है। ऐसे में इस दिन भूलकर भी किसी को धन उधार न दें। विशेष रूप से शाम की पूजा या पूजा के बाद को पैसे उधार देने की गलती कतई न करें। इससे माता लक्ष्मी घर से हमेशा के लिए जा सकती हैं।

अक्सर देखा जाता है कि घर में इस्तेमाल होने वाली चीज हम किसी को भी उधार दे देते हैं। लेकिन इस दिन की शाम को भूलकर भी किसी को उधार में चीनी नहीं देनी चाहिए, क्योंकि चीनी का सीधा संबंध लक्ष्मी जी से है। गन्ना का भोग माता लक्ष्मी को अति प्रिय है। ऐसे में चीनी को घर से धनतेरस की शाम को भूलकर भी न निकालें या न तो किसी को उधार में दें। इससे मां लक्ष्मी रूठ सकती हैं।

आमतौर पर नमक ऐसी चीज है जो हर घर में मिल जाती है, लेकिन धनतेरस की शाम को किसी को भी उधार में नमक देने से बचना चाहिए।

नमक समुद्र से निकलता है और माता लक्ष्मी का समुद्र से गहरा संबंध है। ऐसे में जैसे ही धनतेरस की शाम को आप किसी को नमक उधार में देते हैं तो इससे आपके घर की बरकत रुक सकती है। आपको पैसों की कमी हो सकती है।

इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा का विधान है। इसलिए इस दिन यानि धनतेरस की शाम को किसी को भी उधार में दूध, दही, तेल, सुई जैसी चीजें न दें, यहां तक की न तो ये चीजें किसी और के घर से मांग कर ले आएं। इससे आपके ग्रहों की दशा बिगड़ सकती है और आपके जीवन पर इसका बहुत अशुभप्रभाव पड़ सकता है, आपकी परेशानियां बढ़ सकती हैं।

भगवान धन्वंतरि के 5 प्रसिद्ध मंदिर, जहां धनतेरस पर होती है विशेष पूजा

विष्णु भगवान के रूप भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद का जनक माना जाता है। भगवान धन्वंतरि रोगों से मुक्ति दिलाने के लिए जाने जाते हैं, क्योंकि समुंद्र मंथन के समय के वह हाथ में अमृत कलश और जड़ी-बूटियां के साथ अवतरित हुए थे। दक्षिण भारत में भगवान धन्वंतरि को समर्पित कई मंदिर हैं, जहां धनतेरस पर दूर-दूर से भक्त अपनी मन्नत लेकर आते हैं।

धनतेरस पर धन्वंतरि की विशेष पूजा

धनतेरस त्योहार पर भगवान धन्वंतरि की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और आरोग्य होने का वरदान लिया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि भगवान धन्वंतरि के सबसे ज्यादा मंदिर दक्षिण भारत में हैं? यहां धनतेरस के दिन भक्त अपने रोगों से मुक्ति पाने के लिए आते हैं।

तिरुमला का धन्वंतरि मंदिर

आंध्र प्रदेश के तिरुमला में धन्वंतरि मंदिर है, जिसे अपनी सकारात्मक ऊर्जा और रोगों से मुक्ति पाने के लिए जाना जाता है।

मान्यता है कि यहां विशेष पूजा-अर्चना करने से आध्यात्मिक ऊर्जा बढ़ती है और धन-धान्य का आशीर्वाद भी मिलता है। यहां हर साल धन्वंतरि होमम होता है, जो वहां के पुजारी करते हैं। ये होमम पूरे देश के कल्याण और महामारी से बचाने के लिए होता है।

श्री धन्वंतरि आरोग्य पीठम मंदिर

तमिलनाडु के चेन्नई में प्राचीन श्री धन्वंतरि आरोग्य पीठम मंदिर है, जहां आयुर्वेदिक पूजा का महत्व बहुत ज्यादा है। दूर-दूर से भक्त यहां आकर अपनी बीमारियों से छुटकारा पाने के लिए भगवान धन्वंतरि को जड़ी-बूटी अर्पित करते हैं। धनतेरस के मौके पर यहां मंदिर में खास पूजा रखी जाती है और मंदिर को फूलों से सजा दिया जाता है।

त्रिशूर धन्वंतरि मंदिर

केरल के वैद्यनाथपुर जिले के त्रिशूर में भी भगवान धन्वंतरि का मंदिर है, जो अपने आप में अनूठा है। इस मंदिर को अपनी पारंपरिक आयुर्वेदिक विरासत के लिए जाना जाता है।

माना जाता है कि धनतेरस के दिन अगर मंदिर में बैठकर पूजा और जाप किया जाए तो सभी रोगों से मुक्ति मिलती है और भक्त को लंबी आयु भी मिलती है। यहां भगवान धन्वंतरि पर खास तौर पर घी और तुलसी के पत्ते अर्पित किए जाते हैं और प्रसाद के तौर पर भी उन्हें खाया जाता है। वहां खास तरह का प्रसाद मुक्कुडी बनता है।

थोट्टुवा धन्वंतरि मंदिर

केरल के थोट्टुवा में भी भगवान धन्वंतरि का मंदिर है। माना जाता है कि इस मंदिर में खुद भगवान धन्वंतरि विराजते हैं और यहां की गई पूजा फलदायी होती है।

धनतेरस के मौके पर भक्त लंबी-लंबी लाइनों में लगकर भगवान के दर्शन करते हैं और प्रसाद स्वरूप प्राकृतिक चीजें अर्पित करते हैं। भक्त यहां अपने परिवार के लिए अनुष्ठान भी कराते हैं।

रंगनाथस्वामी मंदिर

तमिलनाडु का रंगनाथस्वामी मंदिर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का मंदिर है, लेकिन धनतेरस पर यहां धन्वंतरि भगवान की विशेष पूजा-अर्चना होती है और जड़ी-बूटियों से बना प्रसाद अर्पित किया जाता है।

मृत्यु के बाद कैसे तय होता है अगला जन्म

हमारे जीवन में मौत एक ऐसा सच है जिसे कोई भी टाल नहीं सकता। चाहे इंसान कितना भी धनी हो कितना भी ताकतवर हो एक दिन उसे मरना ही पड़ता है। हिंदू धर्म में इस जीवन-मृत्यु और अगले जन्म का रहस्य गरुड़ पुराण में बड़े ही स्पष्ट रूप से बताया गया है। गरुड़ पुराण हिंदू धर्म का एक पवित्र ग्रंथ है जो भगवान विष्णु और उनके वाहन गरुड़ के संवादों पर आधारित है। इसमें मृत्यु के बाद आत्मा के सफर कर्मों का हिसाब अगले जन्म का नियम और मोक्ष तक पहुँचने का मार्ग विस्तार से बताया गया है।

मृत्यु के समय आत्मा को बहुत पीड़ा होती है

फरीदाबाद के महंत स्वामी कामेश्वरानंद वेदांताचार्य ने बताया कि गरुड़ पुराण के अनुसार मृत्यु के समय आत्मा के लिए बहुत पीड़ा होती है। शरीर छोड़ना आसान नहीं होता। ऐसा कहा गया है कि शरीर छोड़ने का दर्द लगभग 1000 बिच्छुओं के डंक के बराबर होता है। यह शरीर लगभग 70 से 90 साल तक साथ रहता है, इसलिए आत्मा इसे छोड़ने में कष्ट महसूस करती है। जब शरीर छोड़ दिया जाता है, तो आत्मा को एक सूक्ष्म प्रेत शरीर मिलता है।

महंत स्वामी के अनुसार मृत्यु के बाद यह प्रेत शरीर यमलोक में यमराज के पास जाता है। यमराज और उनके मुनीम चित्रगुप्त कर्मों का लेखा-जोखा करते हैं। अगर प्रेत के दाह संस्कार कर दिए जाते हैं तो आत्मा को शांति मिलती है। नहीं तो यह आत्मा घर और अपने मृत शरीर के आस-पास भटकती रहती है। कई बार यह रोते हुए परिजनों के पास जाती है, लेकिन किसी को छू नहीं सकती। शमशान में शरीर का दाह संस्कार करने से आत्मा की यात्रा सुगम होती है। कई जगह लोग दाह संस्कार के बाद हड्डियों को गंगा या अन्य पवित्र स्थानों में प्रवाहित करते हैं, ताकि आत्मा को शांति मिले।

13 दिन तक भटकती है आत्मा

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि मृत्यु के बाद आत्मा 13 दिन तक भटकती है। इस दौरान परिवार वाले जौ का आटा और अन्य सामग्री लेकर मंत्रोच्चारण से आत्मा को तृप्त करते हैं। इसके बाद आत्मा अपनी यात्रा यमलोक की ओर शुरू करती है। वैतरणी नदी पार करना, विश्राम करना, यमपुरी में चित्रगुप्त के सामने कर्मों का लेखा-जोखा कराना सभी प्रक्रियाएँ इस ग्रंथ में विस्तार से बताई गई हैं।

कर्मों के आधार पर ही अगले जन्म का निर्धारण

स्वामी जी ने यह भी बताया कि कर्मों के आधार पर ही अगले जन्म का निर्धारण होता है। अच्छे कर्म करने वाले व्यक्ति की आत्मा स्वर्ग या कैलाश जैसे उच्च स्थानों में जाती है और वहां सुखों का अनुभव करती है। इसके बाद वह फिर इस पृथ्वी पर अच्छे घरों में जन्म लेती है। जबकि बुरे कर्म करने वालों की आत्मा नरक में जाती है और दुख भोगती है। फिर कर्मों के अनुसार उन्हें अगली बार जन्म मिलता है।

कैसे मिलता है स्वर्ग

गरुड़ पुराण हमें यह सिखाता है कि जीवन में किए गए कर्म ही हमारे भविष्य और अगले जन्म का निर्धारण करते हैं। दान, सेवा, सत्य बोलना, दूसरों की मदद करना जैसे सत्कर्म हमें स्वर्ग या उच्च जीवन की ओर ले जाते हैं। वहीं बुरे कर्म हमें कठिनाइयों और दुखों में डाल सकते हैं। मोक्ष प्राप्त करने के लिए भक्ति ध्यान और सत्कर्म की आवश्यकता होती है। मोक्ष पाने पर आत्मा पुनर्जन्म के चक्र से मुक्त होकर परमात्मा में विलीन हो जाती है। इस प्रकार, गरुड़ पुराण सिर्फ मृत्यु और मृत्यु के बाद के सफर के बारे में नहीं बताता बल्कि यह हमें यह भी सिखाता है कि हमारे कर्म हमारे जीवन, मृत्यु और अगले जन्म को आकार देते हैं। जीवन में अच्छे कर्म करना और दूसरों की भलाई करना ही अंतिम लक्ष्य और आत्मा की शांति का मार्ग है।

दुख का मूल कारण अनियंत्रित इच्छाएं हैं, व्यक्ति बिना मेहनत के सबकुछ पाना चाहता है

मनुष्य के दुख का मुख्य कारण उसकी अनियंत्रित कामनाएं हैं। वह बिना मेहनत और योग्यता के सबकुछ पाने की इच्छा रखता है। ये निरंतर बढ़ती इच्छाएं उसे असंतुष्ट बना देती हैं। उसकी कामनाएं इतनी प्रबल हो जाती हैं कि वह सत्य-असत्य का भेद भूलकर काम करने लगता है। जीवन में अतृप्तता के कारण व्यक्ति कभी सुखी नहीं हो पाता।

अली अब्बास जफर की फिल्म में दिखेगी अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी

'सैयारा' फेम अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी बड़े पर्दे पर पहली बार साथ दिखाई देगी। यह जोड़ी अली अब्बास जफर की नई फिल्म में साथ दिखाई देने वाली है, इस बात की पुष्टि हो गई है। फिलहाल फिल्म का नाम फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन पता चला है कि फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने इसके अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने इस खबर की पुष्टि करते हुए आईएएनएस से कहा, सैयारा ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है और अहान पांडे आज हमारे देश के सबसे बड़े जेन जी अभिनेता हैं। शरवरी 100 करोड़ रुपये की ब्लॉकबस्टर फिल्म मुंज्या का भी हिस्सा थीं। आपके पास दो शानदार कलाकार हैं जिन्होंने साबित

कर दिया है कि सिर्फ उम्दा अभिनय ही लोगों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है।

उन्होंने आगे कहा, दशकों बाद आपके पास बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परिणाम देने वाले नवोदित और युवा कलाकार हैं। यह अली अब्बास जफर जैसे बड़े फिल्म निर्माताओं को एक ऐसी युवा फिल्म बनाने के लिए उत्साहित करता है, जो रोमांटिक होने के साथ ही एक एक्शन फिल्म भी है। सूत्र ने आगे कहा कि इन दोनों युवा कलाकारों को डायरेक्ट करने के लिए अली अब्बास जफर भी उत्साहित हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। इसे आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है के बाद अली जफर और आदित्य चोपड़ा की यह पांचवीं फिल्म है। एक अन्य शख्स ने बताया कि मेकर्स को सैयारा की सफलता के बाद अहान पांडे पर भरोसा बढ़ा है। उनका मानना है कि अहान के अंदर जेन जी को सिनेमाघरों में लाने की ताकत है, इसलिए वे भी इसे भुनाना चाहते हैं। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि दोनों साथ काम कर सकते हैं, अब यह बात पुख्ता हो गई है। वैसे पर्दे पर पहली बार शरवरी वाघ और अहान पांडे की जोड़ी साथ दिखाई देगी। इस बारे में जानने के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग इस फिल्म के लिए अभी से ही उत्साहित हैं।

निक्की तंबोली ने धनश्री वर्मा पर कसा तंज

रियलिटी शो राइज एंड फॉल में नजर आ रहे अरबाज पटेल की गर्लफ्रेंड निक्की तंबोली ने हाल ही में शो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो के जरिए उन्होंने धनश्री वर्मा को एक्सपोज किया है। दरअसल, निक्की ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें धनश्री कहती है निक्की ने जानबूझकर मेरे सामने बोला कि लोग वीडी में क्या बात करते हैं। मैं बेवकूफ नहीं हूं। बुलाओ उसे, बुलाओ सभी वीडी वालों को। मैंने एक बार भी आपके खिलाफ कुछ नहीं कहा है। निक्की ने इस क्लिप के साथ कैप्शन लिखा, वफादारी की अदाकारी मत करो हमारे सामने, हम शक्ल से नस्ल पहचानने का हुनर रखते हैं। बता दें, निक्की हाल ही में शो में आई थीं। इस दौरान उन्होंने अरबाज से कहा था गेम में बहुत बड़ा धोखा हो रहा है धनश्री से। वह इस सीजन में राइज एंड फॉल की सबसे ज्यादा नापसंद की जाने वाली प्रतियोगी हैं।

HRX फिल्म्स के बैनर तले ऋतिक करेंगे पहली सीरीज का निर्माण

ऋतिक अमेजन प्राइम वीडियो के लिए एक सीरीज बनाने वाले हैं। ऋतिक का एक बड़ा ओटीटी प्रोजेक्ट है, क्योंकि इस पर वो पिछले 3 साल से काम कर रहे हैं। अजितपाल सिंह इस सोशल थ्रिलर सीरीज के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं, जो इससे पहले वेब सीरीज टब्बर के जरिए एक खूबसूरत कहानी दर्शकों के बीच पेश कर चुके हैं। इस सीरीज के प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। इसकी शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होगी। सबा के साथ अलाया एफ भी इसमें अहम भूमिका में हैं, वहीं आशीष विद्यार्थी विलन बने हैं। ऋतिक का पूरा ध्यान फिलहाल प्रोडक्शन पर है, ताकि जो विजन इसके लिए उन्होंने सोचा था, वो हासिल किया जा सके। ये बतौर निर्माता ऋतिक की पहली सीरीज है। इसके बाद ऋतिक कृष 4 पर काम करेंगे, जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। पिछली बार उन्हें वेब सीरीज क्राइम बीट में छोटी सी भूमिका में देखा गया था।

नीरू बाजवा ने की नई फिल्म की घोषणा

बॉलीवुड फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में अपनी अदाकारी से सभी को अपना दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस नीरू बाजवा ने अपनी नई पंजाबी फिल्म जवाक की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर की है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया है। नीरू बाजवा ने 5 अक्तूबर 2025 को अपनी आगामी फिल्म जवाक की घोषणा इंस्टाग्राम पोस्ट पर की है। इस पोस्ट के साथ नीरू ने कैप्शन में लिखा, और अधिक पढ़ें...अपने आंद्रे जवाक नू हमेशा जिओंदा राखो, जे वड्डे बन ना ता। सिनेमाघरों में 17 अप्रैल 2026। जवाक का निर्देशन जतिंद्र महुअर कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण संतोष सुभाष कर रहे हैं। जबकि फिल्म की स्क्रिप्ट जगदीप वारिंग ने लिखी है। यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नीरू बाजवा का करियर

हाल ही में नीरू बाजवा अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में नजर आई थीं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत देव आनंद की हिंदी फिल्म मैं सोलह बरस की (1998) से की थी, जिसके बाद उन्होंने कई हिंदी टेलीविजन धारावाहिकों में काम किया. उन्होंने पंजाबी सिनेमा में अपनी खास जगह बनाई और जट्ट एंड जूलियट, सरदार जी, लौंग लाची, शादा, काली जोत्ता जैसी कई हिट फिल्में दीं। अभिनय के अलावा नीरू निर्देशन और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमा चुकी हैं। उन्हें तीन बार पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हॉलीवुड की फिल्म इट लिव्स इनसाइड से शुरुआत की है।

अक्षय ओबेरॉय ने यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय हाल ही में फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आए हैं। यह फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। अब अक्षय ने फिल्म 'टॉक्सिक' में साउथ सुपरस्टार यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की।

अक्षय ने बताया कि टॉक्सिक की सबसे बड़ी उपलब्धि यश के साथ काम करने का मौका था। पूरी दुनिया यश की प्रशंसक है। उनके साथ काम करके, मैंने इतना कुछ सीखा कि मुझे एहसास हुआ कि मुझमें क्या कमी थी। मैं यहां यह कह रहा हूं कि काश इंडस्ट्री मुझे ज्यादा नोटिस करती और आप ये सवाल पूछ रहे हैं मैं इससे सहमत हूं। लेकिन वह वन-मैन इंडस्ट्री की तरह हैं। उन्हें किसी की जरूरत नहीं है। उन्हें अपनी प्रतिभा साबित करने या ऑफर देने के लिए किसी की जरूरत नहीं है। उन्हें अवसरों की जरूरत नहीं है, वह खुद उन्हें बनाते हैं। यह बहुत प्रेरणादायक है। वह एक-व्यक्ति, चलता-फिरता, बोलता इंडस्ट्री है। मैं बस यही सोचता था कि अगर मैं उनके इस कैरेक्टर और ऊर्जा को पकड़ सकता हूं, तो मुझे भी कोई नहीं रोक सकता।

'टॉक्सिक' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं फैंस

गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित 'टॉक्सिक' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसे यश की आगामी मच अवेटेड फिल्मों में गिना जा रहा है। फिल्म की कहानी को लेकर अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

फिल्म को पहले इसी साल रिलीज होना था, लेकिन अब इसे अगले साल 2026 में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। 'टॉक्सिक' के अलावा यश नितेश तिवारी की 'रामायण' को लेकर भी चर्चाओं में हैं।

साउथ में और भी काम करना चाहते हैं अक्षय

टॉक्सिक को लेकर अक्षय ने कहा कि फैंस ढेर सारे सरप्राइज की उम्मीद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि इस फिल्म के बारे में जितना कम कहूं, उतना ही अच्छा है। फिल्म में ढेर सारे सरप्राइज हैं। मुझे अपने किरदार में बहुत मजा आया और मुझे एक्शन करना बहुत पसंद है। आगे साउथ में और भी काम करने पर एक्टर ने कहा कि अगर मुझे मौका मिलेगा तो मैं जरूर करूंगा। मैं मलयालम, तेलुगु या तमिल फिल्म में काम करना पसंद करूंगा। मुझे साउथ में काम करने का अनुभव बहुत अच्छा लगा और मैं उम्मीद करता हूं कि मुझे वहां से और भी काम मिलेगा। नई भाषा में काम करने की चुनौती के बारे में अक्षय ने कहा कि मुझे भाषाओं और लहजों में रुचि है और मुझे उनसे आनंद मिलता है। बेशक यह एक चुनौती है, लेकिन मुझे इसमें बहुत मजा आता है। भाषाएं और लहजे सीखना मेरे लिए स्वाभाविक है। इसलिए मुझे काम में मजा आया।

एक एक्टर और निर्देशक के रूप में कांतारा मेरे लिए एग्जॉस्ट करने वाली फिल्म रही

क्लैपर बॉय से एक्टर-डायरेक्टर बनने के सफर में ऋषभ शेट्टी के करियर में कड़े संघर्ष के कई दौर आए, मगर कलाकार बनने का उनका जज्बा कभी भी धूमिल नहीं हुआ। सहायक निर्देशक और एक-दो सीन वाली भूमिकाएं करने वाले ऋषभ ने गुजारे के लिए छोटे-बड़े सभी काम किए और आखिरकार उनकी किस्मत का सितारा चमका कांतारा की सुपर सक्सेज से। इन दिनों वे चर्चा में हैं कांतारा चैप्टर 1 से।

एक अदाकार के रूप में आपकी यात्रा के बारे में बात करूं, तो उसमें भी कई उतार-चढ़ाव और संघर्ष रहा?

हर किसी को अपने हिस्से का संघर्ष तो करना ही पड़ता है। खास तौर पर मैं अगर आर्ट फॉर्म की बात करूं, तो आप उसे नहीं चुनते बल्कि वो आपको चुनता है। आपको यहां तक पहुंचने के लिए एक प्रक्रिया से तो गुजरना ही पड़ता है। मैं अपने संघर्ष को एक प्रोसेस मानता हूं। ये सच है कि मैंने छोटे-बड़े सभी काम किए हैं। मैं पानी की बोतलें बेचा करता था। मैंने रियल एस्टेट और होटल में भी काम किया। इंडस्ट्री में मैंने क्लैपर बॉय के रूप में शुरुआत की। कई छोटे-छोटे रोल्स किए, मगर मैंने कभी किसी काम को कमतर नहीं समझा। अपनी पहली कमाई आज भी याद है मुझे। पानी की बोतल बेच कर मैंने 25 रुपए कमाए थे। मैं एक बड़ी मैडम के घर पानी पहुंचाने गया था और उस काम के मुझे 25 रुपए मिले थे। उस वक्त पच्चीस रुपए भी बहुत बड़ी रकम लगी थी मुझे।

आप एक ऐसे कलाकार हैं, जो परिवार को साथ लेकर चलने में यकीन रखते हैं।

बिलकुल, क्योंकि परिवार नहीं होगा, तो मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं होगा। मेरी पत्नी प्रगति कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं। इस पार्ट वन और टू की कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग उन्होंने ही की है। पार्ट वन रहा हो या टू वे पूरी तरह से मेरी इमोशनल स्ट्रेंथ रहीं। खतरनाक एक्शन सीन्स के दौरान वे लगातार भगवान से प्रार्थना करती थीं। उन्हें पूरी यूनिट की चिंता रहती थी। शूटिंग के दौरान मैं महीनों तक घर नहीं जा पाता था, क्योंकि हमें लगातार शूटिंग करनी होती थी, ऐसे समय में मैं लोकेशन के आस-पास की जगहों या होटल्स में ठहरता था ताकि अगले दिन समय पर शूटिंग में पहुंच सकूं। एक एक्टर और निर्देशक के रूप में कांतारा मेरे लिए एक एग्जॉस्ट करने वाली फिल्म रही है, ऐसे में भावनात्मक रूप से उन्होंने ही मुझे संभाला। शूटिंग दौरान वे घर में बच्चों की देखरेख भी कर रही थीं और मुझसे मिलने शूटिंग पर भी आया करती थीं।

आज दर्शक हर भाषा में कॉन्टेंट देख रहा है, मगर भाषा के नाम पर जो विवाद पैदा किए जाते हैं, उनके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

हमारी डायवर्सिटी हमारी सबसे बड़ी ताकत है और इसे समझाना होगा। तभी तो हमारे करेंसी नोट पर कोई एक भाषा नहीं होती। हमारे नोट पर जितनी भाषाएं हैं, असल में हमारे पास उससे भी कहीं अधिक लैंग्वेज हैं। यही भारत की पहचान है। मेरा मानना है कि भाषा पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। हम सभी को एक-दूसरे की भाषाओं को सम्मान देना चाहिए। हमारी मातृभाषा हमारे चरित्र की परिचायक है। हम जब सामने वाले की भाषा को इज्जत देंगे, तभी हमारी भाषा को रिस्पेक्ट मिलेगी।

अपनी पहली फिल्म कांतारा से पैन इंडिया स्टार का दर्जा हासिल करना कैसा लगता है?

सच कहूं, तो मैं इन बातों को नहीं समझता। मुझे तो यही सब जिम्मेदारी लगती है। मुझे लगता है कि मुझे यदि देश भर के लोग पसंद कर रहे हैं, तो मुझे ज्यादा जिम्मेदार होने की जरूरत है। मुझे और अधिक कोशिश करनी होगी कि मैं लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरूं। सफलता और तारीफ हासिल करने के बाद मुझे लगता है कि मेहनत डबल हो जाती है।

फिल्म में एक्टर-डायरेक्टर की दोहरी जिम्मेदारी का संतुलन कैसे स्थापित किया

इसका श्रेय मैं अपनी टीम को देना चाहूंगा। चाहे वो मेरे राइटर्स की टीम हो , प्रोड्यूसर हों या कैमरामैन, मैं अगर कोई एक आइडिया पिच करता हूं, तो हर कोई मेरा साथ देने को तैयार हो जाता है। हम साथ मिलकर आईडिया एक्सप्लोर कर लेते हैं। अब जैसे इस फिल्म की मूल कहानी हमारे देव कोला और लोक कथाओं से प्रेरित थी। जब इस कहानी का विचार आया तो सभी को भा गया। मुझे लगता है, किसी भी फिल्म की सफलता का क्रेडिट टीमवर्क को जाता है।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव की तीसरी पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उनके सुपुत्र अखिलेश यादव ने सैफई स्थित मुलायम सिंह यादव के समाधि स्थल पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा पीडीए की सरकार बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान वरिष्ठ सपा नेता प्रो. रामगोपाल यादव, शिवपाल सिंह यादव, सांसद लालजी राम सुमन व अन्य परिजन मौजूद रहे।

एमिटी में मनाया गया विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ बिहेवियरल हैल्थ एंड एलाइड साइंसेस द्वारा एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ साइकोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज और एमिटी सेंटर फॉर गाइडेंस एंड काउंसलिंग के सहयोग से ''सेवाओं तक पहुँच-आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य'' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान के पूर्व निदेशक डा निमेश जी देसाई ने संबोधित करते हुए कहा कि युद्ध, संघर्ष, प्राकृतिक आपदाएँ और अन्य आपात स्थितियाँ मानसिक तनाव का कारण बनती हैं, जिसका प्रभावित व्यक्ति के मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आज आपदाओं और आपात स्थितियों में भी मनोविज्ञान की आवश्यकता हो रही है। डा देसाई ने कहा कि विश्व की कुछ प्रतिकूल घटनाओ ने मानसिक स्वास्थय को प्रभावित किया है जिसमें विश्व युद्ध, आंतकवादी आक्रमण, बड़े युदध आदि। भारत में स्न 2001 में आये गुजरात के भूकंप और 2004 में आई सुनामी से बड़ी संख्या में व्यक्ति प्रभावित हुए। उन्होनें मनोसामाजिक सहायता और मानसिक स्वास्थ्य स्थिरता के लिए राष्टीय दिशानिर्देश को बताते हुए कहा कि असामान्य स्थिति के प्रति सामान्य प्रतिक्रिया करना, अति-निदान या शीघ्र निदान न करना, अत्यधिक या बहुत जल्दी दवा न देना, मानसिक सहायता की अधिक आवश्यकता, पुराने और नए मामलों और उनके परिवारों को न?रअंदा? न करना आदि पर ध्यान देने की आवश्यकता है। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त व्यक्ति को परामर्श लेने में संकोच या हिचकिचाहट नहीं करनी चाहिए और उन्हें विशेषज्ञों से संपर्क करना चाहिए और अपने विचार और भावनाएँ व्यक्त करनी चाहिए। डा देसाई ने छात्रो से कहा कि प्रेशर कुकर की तरह आत्मविश्वासी बनें, भले ही आप आग पर बैठे पर सीटी बजाते रहे।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने कहा कि एमिटी विश्वविद्यालय में बहुत पहले ही मानसिक स्वास्थय पर पाठयक्रमों को प्रारंभ किया गया था, बढ़ती तकनीक एंव विकास ने व्यक्ति के मानसिक स्वास्थय विकारों को बढ़ाया है। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी सेंटर फॉर गाइडेंस एंड काउंसलिंग द्वारा छात्रों एवं सभी के लिए 24 घंटे कांउसलर उपलब्ध होते है जहां छात्र बात करके या मिलकर किसी भी वक्त अपनी परेशानी को साझा कर सकते है। एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन के प्रमुख एवं मार्गदर्शक डा एस के श्रीवास्तव, एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ बिहेवियरल हैल्थ एंड एलाइड साइंसेस की निदेशक डा कल्पना श्रीवास्तव ने भी अपने विचार रखे।

स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में सशक्त पहल : डॉ. तोमर

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के शिल्पियों, कारीगरों एवं स्थानीय उद्यमियों को सशक्त बनाने और स्वदेशी उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित 'यू0पी0 ट्रेड शो- स्वदेशी मेला 2025' का नोएडा हाट, सेक्टर-33ए में भव्य उद्घाटन हुआ। इस 10 दिवसीय मेले का उद्घाटन ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने किया। उद्घाटन अवसर पर मंत्री डॉ. तोमर का स्वागत मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवकांत द्विवेदी द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। स्कूली बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अपने संबोधन में कहा कि यह स्वदेशी मेला प्रदेश के कारीगरों और उद्यमियों के कौशल, परिश्रम और सृजनशीलता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार 'वोकल फॉर लोकल' एवं 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मंत्री ने विशेष रूप से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की सराहना करते हुए कहा कि ये महिलाएं अपने हुनर से न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रही हैं।

मंत्री ने इस अवसर पर मेले में लगाई गई विभिन्न ODOP (वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट) स्टालों का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने रेडीमेड गारमेंट्स, टेक्सटाइल, माटी कला, लकड़ी शिल्प, हथकरघा, हस्तशिल्प एवं घरेलू उत्पादों से सजे स्टालों पर प्रदर्शित वस्तुओं का बारीकी से अवलोकन किया और शिल्पियों एवं उद्यमियों से संवाद स्थापित किया।

राज्य मंत्री द्वारा ओडीओपी, टूल किट योजना तथा अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र एवं सामग्री वितरित कर लाभान्वित भी किया गया।

इस अवसर पर एमएलसी श्रीचंद शर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा अभिषेक शर्मा, महानगर अध्यक्ष भाजपा महेश चौहान, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, अन्य जनप्रतिनिधि, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवकांत द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी (भू.अ.) राजेश कुमार सिंह, उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार तथा अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करने की साजिश : अवाना

नोएडा (चेतना मंच)। देश के मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई पर सुप्रीम कोर्ट परिसर में हुए हमले और जूता फेंकने के निंदनीय प्रयास की कड़ी निंदा करते हुए आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। नोएडा के सेक्टर-19 स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय के सामने आम आदमी पार्टी गौतमबुद्धनगर इकाई ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने किया।

प्रदर्शन के दौरान केंद्र की मोदी सरकार, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक और आदिवासी विरोधी मानसिकता की तीखी आलोचना की गई।

जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने कहा मुख्य न्यायाधीश पर हमला केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र और संविधान की आत्मा पर हमला है। यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करने वाली सोची-समझी साजिश है। आम आदमी पार्टी इस लड़ाई में जनता के साथ मजबूती से खड़ी है और संविधान, न्याय तथा समानता की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

प्रदर्शन के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने संबंधित अधिकारी राठी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया।

युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष पंकज अवाना ने कहा यह केवल विरोध नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा का निर्णायक युद्ध है।

प्रदर्शन में जिला महासचिव कैलाश शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलदारी अंसारी, जिला प्रवक्ता राहुल सेठ, संगठन मंत्री प्रशांत रावत, जिला उपाध्यक्ष मुन्ना गुप्ता, जिला सचिव जयकिशन जैसवाल, प्रवीण धीमान, कार्यकारिणी सदस्य सतीश गौतम, अफजल चौधरी, नोएडा विधानसभा उपाध्यक्ष प्रिंस रजोरिया, विनोदपाल, सदाकत अली, मनोज गुप्ता सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव की तीसरी पुण्यतिथि मनाई

नोएडा (चेतना मंच)। सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव की तीसरी पुण्यतिथि पर अगाहपुर नोएडा सेक्टर 41 स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में हवन पूजा के साथ-साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। उसके बाद सभी समाजवादी लोगों ने नेताजी मुलायम सिंह यादव के चित्र पर पुष्प मालाओं से श्रद्धांजलि दी, व साथ ही साथ नेताजी की पद चिन्हों पर चलने का संकल्प भी लिया।

महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि नेताजी हमेशा ही किसान ,नौजवान ,मजदूर शोषित ,पीड़ित को साथ लेकर चलते थे और हमेशा उनके साथ खड़े रहते थे। प्रदेश सचिव सुनील चौधरी व जय करण चौधरी ने कहा कि नेताजी ने लोहिया और राज नारायण के निर्देशों का पालन करते हुए समाजवाद का

पूरे देश और प्रदेश में अलख जगाने का काम किया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में विकास यादव, सुनील चौधरी, जयकरण चौधरी ,भरत प्रधान, रेशपाल अवाना, सूबे यादव ,मनोज चौहान ,बबलू चौहान ,नीरज शर्मा, संजय त्यागी,नीतीश बैसोया,मोहम्मद नौशाद, बाबा जयवीर, रविंदर यादव,रामवीर यादव, टीटू यादव ,भीष्म यादव, मनोज गोयल,कवित गुर्जर,सुमित अम्बावत,महकार तंवर ,अमित भाटी ,हरपाल सिंह,मुकेश यादव, अमित बैसोया, सोनू त्यागी ,महेश जाटव, सूरज राणा, अंकित यादव, सोनू ,गौरव सिंघल, अली शेर,नजाकत अली,नकुल चौहान,विपिन चौहान,शालिनी खारी, बिमला,रंजीत यादव,सुरेंदर कुमार,उदय सिंह,मोहित यादव, रोहित यादव कमल गौतम, संजू यादव, वीर बहादुर, बिजेंद्र यादव, रंजीत पटेल, रंजन कुमार आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के पैमाने पर नम्बर-1 साबित हुई नोएडा पुलिस

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पुलिस कमिश्नरी (कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर) के खाते में बड़ी उपलब्धि दर्ज हुई है। एक के बाद एक सफलता हासिल कर रही नोएडा पुलिस ने बड़ा रिकॉर्ड कायम किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पैमाने पर नोएडा पुलिस नम्बर-1 साबित हुई है। शुक्रवार को घोषित की गई मुख्यमंत्री दर्पण डैशबोर्ड समीक्षा रिपोर्ट में नोएडा पुलिस पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर आई है। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश पुलिस के काम-काज की समीक्षा करके मुख्यमंत्री दर्पण डैशबोर्ड के सितंबर महीने के नतीजे घोषित किए गए हैं। इन नतीजों में नोएडा पुलिस कमिश्नरी 'ए' श्रेणी के साथ नम्बर-1 रही है।

आपको बता दें कि नोएडा की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में नोएडा पुलिस शानदार काम कर रही है। यही कारण है कि नोएडा की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह को देश की सबसे शानदार पुलिस अधिकारी भी कहा जाता है। शुक्रवार को नोएडा पुलिस के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। शुक्रवार को जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार मुख्यमंत्री दर्पण डैशबोर्ड समीक्षा में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर को माह सितंबर 2025 में उत्तर प्रदेश के समस्त कमिश्नरेट में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है तथा उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।

बता दें कि मुख्यमंत्री दर्पण डैशबोर्ड पर उत्तर प्रदेश पुलिस की 51 बिन्दुओं पर समीक्षा की जाती है। नोएडा पुलिस कमिश्नरी (कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर) को 112 पीआरवी रिस्पांस टाइम, अग्नि सुरक्षा एनओसी जारी करना, अनुसूचित जाति व जनजाति के कुल अपराध- हत्या/बलात्कार, आग से नुकसान का आंकलन, आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही, उ0प्र0 गिरोहबन्द अधि0 के अन्तर्गत कार्यवाही, उ0प्र0 गुंडानियंत्रण अधि0-1970 निर्णीत वाद, एनडीपीएस अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही, कुल पंजीकृत शिकायतें एवं निस्तारण 1090, कर्मचारी सत्यापन, किरायेदार/पीजी सत्यापन, कार्यक्रम/प्रदर्शन अनुरोध, गुण्डा अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही, गिरफ्तारी/आत्मसमर्पण,गिरफ्तारी/आत्मसमर्पण-जघन्य, गिरफ्तारी/आत्मसमर्पण-गैंगस्टर एक्ट, चालान 34 पुलिस एक्ट के अंतर्गत, चरित्र प्रमाण पत्र, घरेलू सहायता सत्यापन, जघन्य अपराधों में लंबित विवेचना, जूलूस अनुरोध, पुरस्कार घोषित के विरूद्ध की गयी कार्यवाही, पॉक्सो एक्ट के अपराधों में कार्यवाही, पोस्ट-मार्टम रिपोर्ट अनुरोध, महिला के प्रति अपराध की कार्यवाही-हत्या/बलात्कार/शीलभंग/दहेज मृत्यु/अपहरण, लम्बित कुल विवेचनाओं का विवरण, वांछित अभियुक्तों के विरूद्ध की गयी कार्यवाही, शिकायत- सीसीटीएनएस, विरोध/हड़ताल अनुरोध, आईजीआरएस/ जनसुनवाई, साक्षी गण का विवरण(सत्र न्यायालय), साक्षी गण का विवरण (अधीनस्थ कोर्ट) के संबंध में अभियान चलाकर त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही किए जाने के फलस्वरूप 'ए' श्रेणी की रैंकिंग प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री दर्पण डेशबोर्ड में पुलिस विभाग की विभिन्न शाखाओं/इकाइयों की कार्यवाहियों से संबंधित 51 बिन्दुओं पर समीक्षा के उपरान्त रैकिंग जारी की गयी है। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर के निर्देशन में पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा आम जनमानस को और अधिक सुरक्षित व पुलिस और जनता के बीच अच्छे समन्वय स्थापित करने के लिये कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।